RNI No. MPHIN/25/A4421

दैनिक
दिव्य संवाद

वर्ष 01 अंक: 08 | उज्जैन बुधवार दिनांक 12 फरवरी 2026 फालगुन मास कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2082 | पृष्ठ: 8 मूल्य :02 रूपये

मौसम आज

तापमान

न्यूनतम - 17 डि.से.

अधिकतम - 30 डि.से.

न्यूज गैलरी

अजित पवार की विरासत को संभालकर रखूंगी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को अपने पति अजित पवार की मौत के 13 दिन बाद स्टेट सेक्रेटेरिएट में मंत्री का काम संभाला और अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग में शामिल हुईं। वह दिन में पहले पुणे से मुंबई पहुंची और सिद्धिविनायक मंदिर और दादर इलाके में चैत्यभूमि पर बीआर अंबेडकर के मेमोरियल पर पूजा-अर्चना की। अपने बड़े बेटे पार्थ पवार के साथ, वह NCP ऑफिस गईं और मंत्रालय जाने से पहले पार्टी के MLA और मंत्रियों से मिलीं। पार्थ के अलावा, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबल और धनंजय मुंडे, सुनेत्रा के साथ मंत्रालय में डिप्टी ष्टरूके ऑफिस गए। बाद में डिप्टी CM ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग में हिस्सा लिया। चार्ज संभालने के बाद अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए, सुनेत्रा पवार ने एक एक्स पर पोस्ट में कहा कि उन्हें अपना नया काम संभालते हुए भरोसे, ड्यूटी और त्याग की गहरी भावना महसूस हुई।

साइबर अपराधियों से निपटने के लिए एजेंसियों में समन्वय जरूरी: अमित शाह

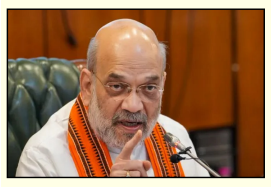

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम बताते हुए गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सभी एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया है। शाह के अनुसार साइबर फ्रॉड अब एक संगठित अपराध का रूप धारण कर चुका है और इससे सभी को मिलकर निपटना होगा। बड़ी संख्या सिम कार्ड, आइएमईआइ नंबर ब्लाक कराने से लेकर साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई रकम को वापस कराने में मिल रही सफलता का हवाला देते हुए उन्होंने राज्यों को हेल्पलाइन नंबर 1930 के लिए पर्याप्त मात्रा में कॉलर बैठाने को कहा ताकि समय पर कार्रवाई से फ्रॉड की रकम को तत्काल फ्रीज किया जा सके। साइबर-सक्षम धोखाधड़ी से निपटने और इसके इकोसिस्टम को ध्वस्त करने पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने एक ओर तेजी से बढ़ते साइबर फ्राड का आंकड़े दिये तो वहीं उससे निपटने के लिए एजेंसियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

जनजातीय समुदाय की समृद्धि का आधार बन रहे हैं वन मेले : मुख्यमंत्री

महाकाल स्मृति उपहार किट और महाकाल वन प्रसादम् का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन हमारी वसुंधरा का वैभव हैं, धरती की धरोहर और धरा का अलंकरण हैं। वन हमारी राष्ट्रीय पूंजी हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन मेले प्रदेश की समृद्ध जैविक और वानस्पतिक विविधताओं को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम हैं। इनके जरिए हमारे जनजातीय भाई-बहनों को अपने वनोत्पाद और काष्ठ शिल्प विक्रय करने का सुनहरा मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि 'श्री महाकाल वन मेले' की आज से शुरूआत हो गई है। ये मेला शीघ्र ही अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। मेले में प्रदर्शित जड़ी-बूटियां तथा विभिन्न प्रकार के शुद्ध एवं सुरक्षित अकाष्ठीय लघु वनोत्पाद आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से रोगोपचार में बेहद उपयोगी होते हैं। वनौषधियां हर रोग के इलाज में कारगर साबित हो रही हैं। इनसे असंभव रोग का इलाज भी संभव हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय बजट-2026 में एम्स की तर्ज पर देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोलने की घोषणा की गई है। इनमें से एक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान भगवान धनवंतरी की कर्मभूमि और सिंहस्थ भूमि उज्जैन में स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को धार्मिक नगरी उज्जैन में पहली बार आयोजित 'श्री महाकाल वन मेला-2026' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस वन मेले में नागरिकों को प्राकृतिक रंग-गुलाल मिलेंगे। इसमें नाड़ी वैद्य और आयुर्वेदिक चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन मेले में प्रदर्शित काष्ठ और बांस से निर्मित एथनिक क्रॉफ्ट आइटम्स न केवल पारम्परिक शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, बल्कि सबके घरों की शोभा भी बढ़ाते हैं। उन्होंने उज्जैन के नागरिकों से अपील की कि वे इस वन मेले का भरपूर लाभ उठाएं और प्रदेश की वन संपदा तथा जनजातीय उत्पादों का उपयोग कर सबको प्रोत्साहित भी करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 'महाकाल वन मेले' के जरिए स्थानीय वन उत्पादों और शिल्पकारों को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पर्यावरण जागरूकता, आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रचार-प्रसार और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक सार्थक कदम है। उज्जैन के दशहरा मैदान में यह वन मेला 16 फरवरी तक चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार तेजी से प्रदेश में मेडिकल और आयुर्वेदिक कॉलेजों की संख्या में वृद्धि कर रही है। पिछले साल हमने विभिन्न जिलों में 8 नए आयुर्वेदिक कॉलेज शुरू किए हैं। इस साल हम और भी तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विंध्य हर्बल के प्राकृतिक रंग-गुलाल, महाकाल स्मृति उपहार किट एवं महाकाल वन प्रसादम् का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना जिले के वन औषधियों से उपचार पद्धति के विशेष जानकार वनरक्षक श्री जगदीश प्रसाद अहिरवार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 जनवरी को मन की बात में वनरक्षक श्री अहिरवार द्वारा वनौषधियों के देशज ज्ञान के संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश के जनजातीय और वनांचल को समृद्धि देने के लिए भोपाल और उज्जैन जैसे वन मेले प्रदेश भर में लगाए जाने की आवश्यकता है। उज्जैन में महाशिवरात्रि और विक्रमोत्सव के अवसर पर आयोजित वन मेला प्रदेशवासियों के लिए अद्भुत है। वन विभाग ने प्राकृतिक रूप से महाकाल वन प्रसादम् तैयार किया है। इसमें काष्ठ से बने गमले में एक पौधा लगाया गया है। यह गमला महाकाल को भेंट स्वरूप दिया जाएगा। वापस मिलने पर इसे किसी भी जगह पर सीधे रोपित कर दिया जाएगा। काष्ठ गलकर खाद बन जाएगा और पौधा बिना गमला निकालते ही निर्बाध रूप से पल्लवित होता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के श्री महाकाल वन मेले में महुआ के लड्डू, श्रीअन्नों से बनी मिष्ठान्न सहित अनेक वनोपज उत्पाद भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन के वन मेले में आए वैद्य और चिकित्सक अनेक असाध्य रोगों के उपचार के लिए नागरिकों को निःशुल्क सेवाएं देंगे।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में जनजातीय समुदायों की आय बढ़ाने के लिए वन विभाग लगातार काम कर रहा है। उज्जैन की धरती पर आयोजित यह वन मेला निश्चित रूप से भोपाल वन मेले की तरह सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। यहां विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक औषधियां एवं बांस से बने उत्पाद उपलब्ध हैं। नागरिक इसका भरपूर लाभ उठाएं।

अपर मुख्य सचिव वन एवं सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के शहर-शहर में वन मेला लगाने की शुरुआत की है। भोपाल के बाहर यह पहला वन मेला उज्जैन में लगाया गया है। वन मेलों के दो उद्देश्य होते हैं। इनसे जनजातीय समुदायों को तो आमदनी होती ही है, शहरी लोगों को प्राकृतिक उत्पाद खरीदने और नेचर के साथ चलने-संवरने का अवसर भी मिल जाता है। उन्होंने बताया कि म.प्र. लघु वनोपज संघ के जरिए प्रदेश के 30 लाख जनजातीय संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। भोपाल में डेढ़ माह पहले हुए वन मेले में 3 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री हुई थी। श्री महाकाल वन मेला में प्रदेशभर के विभिन्न उत्पादों के 250 स्टॉल लगाए गए हैं। इसके अलावा यहां 150 से अधिक वैद्य एवं आयुर्वेदिक चिकित्सक लोगों को परामर्श प्रदान करेंगे।

वन मेले के शुभारंभ अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, जिला पंचायत अध्यक्ष उज्जैन श्रीमती कमला कुंवर सहित डॉ. प्रभुराम जाटवा, श्री उमेश सेंगर, श्री राजेश पांचाल, श्री बहादुर सिंह, श्री ओम जैन, वन बल प्रमुख श्री वीएन अंबाड़े, प्रबंध संचालक, मप्र लघु वनोपज संघ डॉ. समिता राजौरा, सीएफ उज्जैन श्री आलोक पाठक, अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

नौ करोड़ के चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव तिहाड़ में, मदद को हस्तियों ने बढ़ाए हाथ

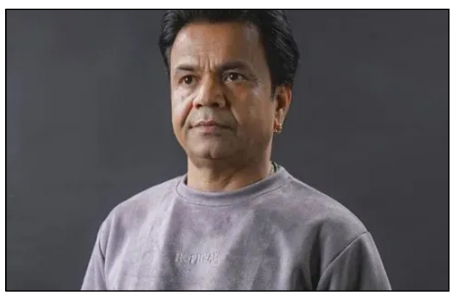

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने होम प्रोडक्शन की फिल्म फ्लॉप होने के बाद आर्थिक तंगी के चलते नौ करोड़ के चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद बॉलीवुड अभिनेता और मशहूर कॉमेडियन राजपाल यादव की मदद को अभिनेता सोनू सूद, जैम म्यूजिक के प्रोड्यूसर इंद्रजीत सिंह, राजनीतिज्ञ तेज प्रताप यादव समेत कई हस्तियों ने हाथ बढ़ाए हैं।

अभिनेता सोनू सूद ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह राजपाल यादव को अपनी अगली फिल्म के लिए साइन कर रहे हैं और साइनिंग राशि को मदद के तौर पर दे रहे हैं। यह आगे मेहनताने में समायोजित हो जाएगी। सूद ने फिल्म निर्माता, निर्देशक, सहयोगियों तथा अन्य लोगों से भी अभिनेता की मदद के लिए आगे आने का अनुरोध किया।

सूद ने लिखा- राजपाल यादव एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं और उन्होंने हमारे उद्योग को वर्षों तक अविस्मरणीय काम दिया है। कभी-कभी समय खराब आता है, यह जीवन का हिस्सा है। हमें उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

जैम म्यूजिक के प्रोड्यूसर इंद्रजीत सिंह ने राजपाल यादव को एक करोड़ 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हमें राजपाल यादव की पीड़ा के बारे में जानकारी मिली। यह जानकर मन बेहद व्यथित हुआ। राजपाल न केवल एक महान कलाकार हैं, बल्कि एक अच्छे और सच्चे इंसान भी हैं। इस कठिन और दुख की घड़ी में हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम मानवता के नाते उनके और उनके परिवार के साथ खड़े हों।राजनीतिज्ञ लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जन शक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने राजपाल यादव और उनके परिवार को 11 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। यादव ने एक्स पर लिखा मेरी पार्टी की सहानुभूति राजपाल यादव के साथ है और एकजुटता से उनके साथ खड़ी है।

टीवी कलाकार गुरमीत चौधरी ने कहा कि वह एक वरिष्ठ और अत्यधिक प्रतिभाशाली अभिनेता राजपाल यादव को इस दर्दनाक दौर से गुजरते देखकर दिल टूट गया है।

उन्होंने लिखा- राजपाल यादव ने हमें अनगिनत मुस्कानें, हंसी और अविस्मरणीय क्षण दिए हैं। आज, उन्हें हमारी जरूरत है। एक साथी अभिनेता और एक इंसान के रूप में मैं मदद के लिए आगे आ रहा हूं, जितना भी मैं कर सकता हूं करूंगा। मैं सभी निर्माताओं, निर्देशकों और हमारे फिल्म बिरादरी के सदस्यों से विनम्रता से अनुरोध करता हूं कि वह अभिनेता की मदद करें।

जनरल नरवणे की किताब पर छिड़ी जंग, संसद से सोशल तक घमासान; राहुल गांधी के उठाए मुद्दों पर प्रकाशक की चेतावनी

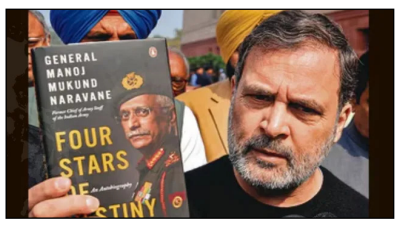

नई दिल्ली (एजेंसी)। पॉलिटिकल थ्रिलर बनी पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर राजनीतिक और कानूनी विवाद तेज हो गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में कथित रूप से अप्रकाशित पुस्तक लहराने के बाद बढ़े विवाद पर प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सफाई के साथ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने प्रकाशक द्वारा की गई पोस्ट को साझा करके अपनी चुप्पी तोड़ी। मामले की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है, जिससे विवाद के और गहराने की संभावना जताई जा रही है।

भाजपा सांसद संयमित न होते तो चार फरवरी को हो सकती थी संसद में भयावह स्थितिः रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को चार फरवरी को लोकसभा में हुए हंगामे के दो वीडियो जारी करते हुए कांग्रेसी सांसदों के आचरण पर सवाल उठाया। किरेन रिजिजू ने कहा, अगर भाजपा सांसदों को संयमित नहीं किया गया होता और उन्हें कांग्रेस सांसदों से भिड़ने की अनुमति दे दी गई होती तो सदन में स्थिति बेहद भयावह हो सकती थी।

साथ ही पूछा कि क्या कोई विपक्ष के सदस्यों के व्यवहार को सही ठहरा सकता है। क्या कांग्रेस पार्टी अपने सांसदों के सबसे अपमानजनक व्यवहार पर गर्व महसूस कर रही है? उसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना था, लेकिन हंगामे के चलते वह ऐसा नहीं कर पाए।

किरेन रिजिजू ने जारी किए वीडियो- रिजिजू ने कहा कि भाजपा नेतृत्व का निर्देश स्पष्ट था कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों को सदन की गरिमा बनाए रखनी है और सत्तारूढ़ पार्टी का कोई भी सांसद असभ्य विपक्षी सांसदों के साथ शारीरिक टकराव नहीं करेगा।

अगले हफ्ते भारत आ रहे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पीएम नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर 17 से 19 फरवरी 2026 को आ रहे हैं। इस दौरान दोनों नेता भारत-फ्रांस के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दोनों देशों ने पहले ही वर्ष 2047 तक के अपने द्विपक्षीय संबंधों का एक रोडमैप (होराइजन 2047) बना रखा है, इसकी प्रगति व आगे उठाए जाने वाले कदमों पर बात होगी।

इनके बीच क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों जैसे हिंद प्रशांत महासागर की स्थिति पर भी बात होगी। यात्रा के दौरान दोनों नेता मुंबई में जाएंगे, जहां वे भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर 2026 का संयुक्त उद्घाटन करेंगे। यह सालभर दोनों देशों में मनाया जाएगा। 19 फरवरी को मैक्रों नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेंगे।

महाशिवरात्रि पर गौरा को लाने राजसी स्वरूप में बारात लेकर निकलेंगे काशीपुराधिश्वर

सिगोंल और नवरत्नों से सज्जित छत्र के साथ सिंहासन पर विराजेंगे महादेव, ऐतिहासिक शिव-बारात में दिखेगा अनूठा लोकाचार

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में महाशिवरात्रि का पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोकपरंपराओं और आस्थाओं का जीवंत उत्सव है। इसी परंपरा के निर्वाह के तहत महाशिवरात्रि पर काशीपुराधिश्वर महादेव माता गौरा को लाने के लिए प्रतीकात्मक स्वरूप में सिगोंल (दंड) के साथ राजसी ठाठ-बाट में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान बाबा का स्वरूप अन्य पर्वों से सर्वथा भिन्न और विशिष्ट होगा।

चार बार नगर भ्रमण, लेकिन महाशिवरात्रि का स्वरूप सबसे अलग- परंपराओं वाले शहर काशी में बाबा विश्वनाथ वर्ष में चार बार चल स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकलते हैं, किंतु महाशिवरात्रि का नगर भ्रमण सबसे अलग और विशिष्ट माना जाता है। इस दिन काशीपुराधिश्वर माता गौरा के बिना, अकेले राजसी स्वरूप में अपने अडभंगी भक्तों और गणों के साथ दिखाई देते हैं। यह परंपरा शिव के वैराग्य, तप और दांपत्य भाव के अनूठे संतुलन को दर्शाती है।

तीन पर्वों पर सपरिवार देते हैं दर्शन- काशी की प्राचीन लोकपरंपरा के अनुसार हर वर्ष सावन पूर्णिमा, दीपावली के दूसरे दिन मनाए जाने वाले अन्नकूट महोत्सव और रंगभरी एकादशी के अवसर पर टेढ़ीनीम स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास से बाबा विश्वनाथ की चल प्रतिमा को विधि-विधानपूर्वक लाकर मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कराया जाता है। इन तीनों अवसरों पर काशीपुराधिश्वर माता गौरा और प्रथमेश के साथ सपरिवार प्रतीकात्मक नगर भ्रमण में भक्तों को दर्शन देते हैं।

महाशिवरात्रि पर अकेले निकलते हैं गौरा को लाने- लोकमान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ माता गौरा को लेने अकेले ही निकलते हैं। यही कारण है कि इस दिन बाबा का श्रृंगार, उनका वाहन, छत्र, सिगोंल और सिंहासन सभी कुछ विशेष रूप से तैयार किया जाता है। यह परंपरा शिव-विवाह की पूर्व संध्या का प्रतीक मानी जाती है, जिसमें बाबा दूल्हे के रूप में गौरा को लेने निकलते हैं।

नवरत्नों से सुसज्जित छत्र और नवग्रह की काष्ठ से बने सिंहासन पर विराजेंगे महादेव- शिवाजंली के संयोजक संजिव रत्न मिश्र ने बताया इस वर्ष काशी की ऐतिहासिक शिव-बारात में काशीपुराधिश्वर का प्रतीकात्मक चल स्वरूप विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

बाबा नवरत्नों से सुसज्जित राजसी छत्र और सिगोंल के साथ 11 प्रकार की काष्ठ से बने भव्य सिंहासन पर विराजमान रहेंगे। इन काष्ठों का धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व बताया जाता है, जो नवग्रहों का भी प्रतीक माने जाते हैं। बाबा के छत्र का निर्माण श्री काशी विश्वनाथ डमरू सेवा समिति के ओम शकर शर्मा मोनू बाबा और पागल बाबा ने कराया है।

अडभंगी भक्तों संग निकलती है शिव-बारात- महाशिवरात्रि की शिव-बारात काशी की सबसे अनूठी और जीवंत परंपराओं में से एक है। इसमें बाबा के साथ उनके अडभंगी, वैरागी, नागा साधु और गण शामिल होते हैं। ढोल-नगाड़ों, डमरुओं की नाद और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच निकलने वाली यह बारात श्रद्धा, उल्लास और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है।

सातवीं पीढ़ी से पिस्ता ठंडई का बाबा को लगाते आ रहें है भोग

काशी मे बाबा के प्रति अनूठा प्रेम देखने कों मिलता है

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। काशी में शिव और उनके भक्तों के प्रेम के कई अनूठे उदाहरण हैं। कोई दरबार में झाड़ू बुहार कर आनंदित होता है तो कोई बाबा का गंगाजल सेवाकर सुख पाता है। ठंडई सेवा करने वाले पाठक परिवार का शिव प्रेम भी अनूठा है। सात पीढ़ी पहले परिवार ने महाशिवरात्रि पर बाबा को पिस्ता की खास ठंडई अर्पित करते है यह परंपरा आज भी अनवरत है। इस महाशिवरात्रि पर परिवार की सातवीं पीढ़ी के प्रतिनिधि कमलेश पाठक इस वर्ष भी ठंडई का भोग लगवाएंगे

कमलेश पाठक बताते हैं कि परिवार तब से बाबा की ठंडई सेवा कर रहा है जब चांदी की गिलास में भरकर ठंडई दो आने में मिलती थी। अब ठंडई दो सौ रुपये पुरवा है लेकिन बाबा के भोग की परंपरा यथावत है। उन्होंने बताया कि नित्य तैयार होने वाली ठंडई के दो पुरवे बाबा विश्वनाथ व माता अन्नपूर्णा को अर्पित किए जाते हैं। इसकी शुरुआत उनके पूर्वज शुभुनाथ पाठक ने की थी। तब उन्होंने ठठेरी बाजार में दुकान खोली थी।

मार्च पास्ट, राष्ट्रगान तथा खेल भावना की शपथ के साथ शुरू हुआ खेल उत्सव

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री घनेंद्र चौधरी के नेतृत्व एवं संयोजन में तीन दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती पूजन एवं अतिथि स्वागत के साथ किया गया। इसके पश्चात मार्च पास्ट, राष्ट्रगान तथा खेल भावना की शपथ के उपरांत मुख्य अतिथि उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. एल. अनिजवाल द्वारा खेल प्रतियोगिताओं की औपचारिक उद्घोषणा की गई। मुख्य अतिथि डॉ. अनिजवाल ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल भावना और मैदान पर निरंतर अभ्यास ही वास्तविक विजय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। शासकीय महाविद्यालय उन्हेल के क्रीड़ा अधिकारी श्री आर. के. कौरव ने ÷गुजरा हुआ जमाना आता नहीं दोबारा÷ गीत की पंक्तियों के माध्यम से छात्राओं को प्रेरित करते हुए छात्र जीवन के प्रत्येक अवसर का भरपूर लाभ उठाने का संदेश दिया। शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, उज्जैन की क्रीड़ा

अधिकारी सुश्री संगीता कार्लेकर ने कहा कि वार्षिक खेल उत्सव छात्राओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मबल का विकास करते हैं। उन्होंने प्रेरणादायी पंक्तियों के माध्यम से छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहाकृ

धूप में निकलो, घटाओं में नहाकर देखो,
ज़िंदगी क्या है, किताबों को हटाकर देखो।÷

तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत दौड़, बैडमिंटन, रस्साकशी, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, गोला फेंक, कबड्डी, पिट्ठू तथा पुशअप सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समापन समारोह में जिम्नास्ट श्री सुपेकर, सम्राट् विक्रम विश्वविद्यालय के खेल विभाग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र चावरे, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत पौराणिक, माधव विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्री सुपेकर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए खेल भावना के साथ शारीरिक परिश्रम की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. वीरेंद्र चावरे ने कहा कि यही सीखने की आयु है और इस समय अर्जित अनुभव जीवन भर उपयोगी सिद्ध होते हैं। डॉ. कल्पना सिंह ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छात्र जीवन का अनुशासन और युवाशक्ति समाज परिवर्तन की सशक्त क्षमता रखती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि संस्थान की एकता, ऊर्जा और उत्साह का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि खेल जीतने के लिए ही नहीं, बल्कि सीखने और अनुभव प्राप्त करने के लिए भी खेले जाने चाहिएकृजीत पर पदक मिलता है और हार पर अनुभव, जो जीवन में सदैव सहायक होता है।

कार्यक्रम में टीम धुरंधर, टीम वॉरियर एवं टीम अभ्युदय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंत में सभी विजेता छात्राओं को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस प्रकार तीन दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का समापन प्राध्यापकों एवं छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति में उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ।

निजीकरण के विरोध में कल थमेगा बीमा कंपनियों का कामकाज, एलआईसी दफ्तरों में लटकेंगे ताले

उज्जैन। केंद्र सरकार की निजीकरण, विनिवेश और कथित श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ बीमा क्षेत्र के कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघों के संयुक्त आह्वान पर आज 12 फरवरी गुरुवार को भारतीय जीवन बीमा निगम और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य बीमा कंपनियों के कर्मचारी एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल पर रहेंगे।

इस हड़ताल का व्यापक असर उज्जैन संभाग में भी देखने को मिलेगा। इंश्योरेंस एम्पलाइज यूनियन, उज्जैन शाखा के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गुरुवार को सभी अधिकारी और कर्मचारी कार्य से विरत रहेंगे, जिससे बीमा कार्यालयों में कामकाज पूरी तरह ठप रहने की संभावना है। यूनियन के नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार की नीतियां न केवल कर्मचारियों, बल्कि करोड़ों पॉलिसीधारकों और लाखों अभिकर्ताओं के हितों के खिलाफ हैं।

कर्मचारियों की मुख्य मांगें

विनिवेश पर रोकः एलआईसी और सरकारी बीमा कंपनियों में विनिवेश की प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए।

एफडीआई का विरोध

बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति वापस ली जाए। नई भर्तियांः आउटसोर्सिंग बंद कर रिक्त पदों पर पक्की और स्थायी भर्तियां की जाएं। श्रम कानूनः श्रम कानूनों में किए जा रहे कर्मचारी विरोधी संशोधनों को रद्द किया जाए।

शाखाओं के बाहर होगा प्रदर्शन

प्रशांत सोहले द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उज्जैन में हड़ताल को सफल बनाने के लिए अनिल कुरेल, कुलदीप सिंह और दीपिका सक्सेना ने सभी साथियों से एकजुट होने का आह्वान किया है। यूनियन का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियां देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं ।

और उन्हें कमजोर करना आम जनता की सामाजिक सुरक्षा पर सीधा हमला है। हड़ताल के दौरान शहर की विभिन्न शाखाओं के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन और सभाएं आयोजित कर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

क्षत्रिय मराठा समाज का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन आज

उज्जैन। क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती 19 फरवरी को मनाई जाएगी। इसी दिन को शासकीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर समाज द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्टर महोदय को समाज के अध्यक्ष श्री अनिल धर्मे के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया जाएगा। समाज के सचिव श्री अनिल गावड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 12 फरवरी 2026 को दोपहर 3 बजे टावर चौक पर समाज के सभी सदस्य एकत्रित होंगे। इसके पश्चात फ्रीगंज होते हुए कोठी पैलेस स्थित संकुल भवन पहुंचकर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

अंतर रेलवे जिम्नास्टिक में उज्जैन के कृष्ण कुमार ने जीता कांस्य

उज्जैन। कोलकाता में आयोजित 54वीं अंतर रेलवे महिला एवं पुरुष जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में पश्चिम रेलवे की टीम ने एक कांस्य पदक हासिल किया है। यह उपलब्धि उज्जैन के खिलाड़ी ने दिलाई है।

पश्चिम रेलवे के उज्जैन में कार्यरत सीसीटीसी (सीसीटीसी) कृष्ण कुमार ने हाई बार इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके साथ ही, भारतीय रेलवे टीम के आगामी राष्ट्रीय ओपन प्रतियोगिता के लिए लगने वाले प्रशिक्षण शिविर हेतु उज्जैन के दो खिलाड़ियों- कृष्ण कुमार और वैभव चोरषिया (सीसीटीसी उज्जैन) का चयन किया गया है। टीम के मुख्य प्रशिक्षक राजकुमार सोलंकी और सहायक प्रशिक्षक अविनाश श्रीवास थे। इस उपलब्धि पर प.रे. स्पोर्ट्स एसोसिएशन के ओएसडी एवं ओलंपियन पप्पू यादव, उज्जैन जिला जिम्नास्टिक एसोसिएशन के आर.एल. वर्मा, ओ.पी. शर्मा, मनोहर शर्मा, संजय जौहरी आदि ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

कलश यात्रा के साथ हुआ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

उज्जैन। मक्सी रोड स्थित बालाजी टाइल्स, नीमनवासा चकोर पार्क में मंगलवार को संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ।

कथा व्यास पंडित अजय शंकर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा का आयोजन 11 फरवरी से 17 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12.30 बजे से 3.30 बजे तक किया जाएगा। आयोजन के प्रथम दिवस मीरा माधव मंदिर से बालाजी टाइल्स कंपाउंड तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा मार्ग में जगह-जगह रहवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने सिर पर मंगल कलश धारण कर सहभागिता की।

शिवरात्रि पर होगी शिवलिंग की स्थापना पंडित तिवारी ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए कहा कि व्यास पीठ से कथा का रसपान कराया जाएगा।

कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित की कथा और तीसरे दिन शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया जाएगा। चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

विशेष रूप से 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोवर्धन पूजा और छप्पन भोग का आयोजन होगा। इसी दिन बालाजी टाइल्स के संजय पंवार एवं पंवार परिवार द्वारा शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा (स्थापना) की जाएगी। 16 फरवरी को रुक्मणी विवाह और 17 फरवरी को कथा के समापन पर महाप्रसादी का विशाल आयोजन होगा।

श्रद्धालुओं की रही विशेष उपस्थिति बालाजी टाइल्स एवं पंवार परिवार द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के पहले दिन क्षेत्र का माहौल पूरी तरह धर्ममय हो गया। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से कैलाश पंवार, रमेश पंवार, प्रकाश पंवार, राजमल पंवार, संजय पंवार सहित समस्त बालाजी टाइल्स पंवार परिवार और मित्र मंडल उपस्थित रहा। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासियों और धर्मप्रेमी जनता ने कथा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थिति दर्ज कराई।

निगम कर्मचारियों द्वारा दिव्यांग और महिला वेंडर्स से मारपीट मामले में सीएम को सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। उज्जैन के हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ महाकाल ने नगर निगम के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन आगमन पर उन्हें ज्ञापन सौंपा। संघ का आरोप है कि निगम के कर्मचारियों ने दिव्यांग और महिला पथ विक्रेताओं के साथ मारपीट की है और उनके खिलाफ झूठे प्रकरण दर्ज कराए हैं। वेंडर्स ने मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने, झूठे केस वापस लेने और स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट का कड़ाई से पालन कराने की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार, घटना 5 और 6 फरवरी की है। 5 फरवरी को बिना किसी 'सिजर मेमो' के वेंडर्स का सामान जब्त कर लिया गया था। जब 6 फरवरी को वेंडर अपना सामान लेने पहुंचे, तो वहां मौजूद गैंग प्रभारी और उनके साथियों ने कथित तौर पर साजिश के तहत वेंडर्स पर हमला कर दिया।

आरोप है कि दिव्यांग पथ विक्रेता संजय चौहान, कालूराम चौहान, अर्जुन कहार, मंजू चौहान, चंचल बैरागी और अन्य महिला विक्रेताओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। इसके बाद उल्टा 3 वेंडर्स के खिलाफ ही झूठी शिकायत दर्ज करवा दी गई। संघ ने मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच हो, वेंडर्स पर दर्ज एफआईआर खारिज की जाए और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज हो।

एक्ट का उल्लंघन और बेदखली का विरोध

व्यापारी संघ ने ज्ञापन में उज्जैन में चल रही बेदखली की मुहीम को गैर-कानूनी बताया है। उनका कहना है कि स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 की अनदेखी की जा रही है। वेंडर्स को बिना किसी पुनर्वास या वैकल्पिक व्यवस्था के हटाया जा रहा है, जो कि मूल कानून और 2016 के नियमों के खिलाफ है।

सर्वे और सर्टिफिकेट अधूरे ÷ शहर में अभी तक वेंडर्स का सर्वे पूरा नहीं हुआ है और वेंडिंग प्लान फाइनल नहीं है। ऐसी स्थिति में बेदखली और विस्थापन करना कानूनन गलत है।

आजीविका पर संकटः संघ का कहना है कि प्राकृतिक बाजारों से हटाने के कारण वेंडर्स कर्ज में डूब रहे हैं और उनकी आय खत्म हो रही है।

ज्ञापन के माध्यम से संघ ने शासन के सामने 5 सूत्रीय मांगें रखी हैं। जिसमें उज्जैन में वेंडर्स की बेदखली, जब्ती और उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाई जाए। वेंडिंग जोन की समयबद्ध अधिसूचना जारी हो और प्राकृतिक बाजारों की सुरक्षा की जाए। टाउन वेंडिंग कमेटी की प्लानिंग और निगरानी में भागीदारी सुनिश्चित हो। वेंडर्स पर दर्ज झूठे मुदमे वापस लिए जाएं। बेदखली के बजाय विनियमन और योजना को प्राथमिकता दी जाए।

संघ ने सुझाव दिया है कि बेदखली के बजाय 10-50 अच्छे डिजाइन वाले 'वेंडिंग बाजारों' को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। संघ ने चेतावनी दी है कि वे एक समावेशी और व्यवस्थित शहर बनाने के लिए सरकार के साथ काम करने को तैयार हैं, लेकिन उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

समर्थ गुरु रामदास नवमी पर निकली भव्य पालकी यात्रा, भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन। शहर के पानदरीबा स्थित श्री गणपति मंदिर में बुधवार को समर्थ गुरु रामदास नवमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। श्री समर्थ सेवा मंडल, पानदरीबा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु समर्थ रामदास स्वामी का पुण्य स्मरण किया गया।

संस्था प्रमुख दिनकर तेलंग ने जानकारी देते हुए बताया कि माघ कृष्ण नवमी के अवसर पर बुधवार सुबह 9:30 बजे मंदिर प्रांगण से समर्थ रामदास स्वामी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी में स्वामी जी की प्रतिमा और पादुकाओं के पूजन के बाद नगर भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर पंकज चांदोरकर, रविंद्र मूले, मिलिंद पन्हालकर, निलेश फड़नीस, श्री पागे (जम्बो दादा) सहित बड़ी संख्या में समाजजन और भक्त शामिल हुए।

मिलिंद पन्हालकर एवं निलेश फड़नीस ने बताया कि उत्सव के अंतर्गत शाम 7 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में श्री समर्थ सेवा मंडल के सदस्यों सहित क्षेत्रीय रहवासियों का विशेष सहयोग रहा।

युवाओं को दिया था बल और राष्ट्रभक्ति का संदेश

कार्यक्रम के दौरान समर्थ गुरु रामदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को स्वराज्य और धर्म रक्षा की प्रेरणा दी थी। स्वामी जी का मानना था कि स्वस्थ शरीर से ही राष्ट्र की उन्नति संभव है, इसलिए उन्होंने युवाओं को व्यायाम और हनुमान जी की उपासना का संदेश दिया।

उन्होंने 'दासबोध' और 'मनाचे श्लोक' जैसे ग्रंथों की रचना कर समाज को नई दिशा दी थी। माघ कृष्ण नवमी को ही उन्होंने सज्जनगढ़ (महाराष्ट्र) में समाधि ली थी, जिसे 'दास नवमी' के रूप में मनाया जाता है।

हिरदेश्वर महादेव मंदिर में प्रारंभ हुआ श्री शिव-शक्ति महायज्ञ, महाशिवरात्रि पर होगी पूर्णाहुति

पंचकोशी यात्रा के पड़ाव स्थल पर चल रहा 10 दिवसीय महोत्सव; शिव महापुराण और रामकथा में उमड़ रहे श्रद्धालु

उज्जैन। हीरा मिल परिसर, जीरो पॉइंट ब्रिज के पास स्थित श्री हिरदेश्वर महादेव मंदिर (पंचकोशी यात्रा का प्रथम व अंतिम पड़ाव) में चल रहे 10 दिवसीय शिखर कलश स्थापना महोत्सव के अंतर्गत बुधवार, 11 फरवरी से 'श्री शिव-शक्ति महायज्ञ' का शुभारंभ हुआ। इस महायज्ञ की पूर्णाहुति 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर होगी।

त्रिवेणी संगम में गोते लगा रहे भक्त

युवा मंच सत्संग समिति के अनुसार, मंदिर परिसर में ज्ञान और भक्ति की त्रिवेणी बह रही है। भाई जी प्रदीप जी महाराज के मुखारविंद से प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संगीतमय शिव महापुराण कथा का रसपान कराया जा रहा है। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीश्री 1008 भागवतानंद गिरि जी महाराज द्वारा संगीतमय श्रीराम कथा सुनाई जा रही है। प्रतिदिन आरती के बाद श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित की जा रही है।

संतों और समाज के वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान कथा के चौथे दिवस की आरती के दौरान अखिल भारतीय सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष मनोहर परमार और समाज के वरिष्ठजनों ने व्यास पीठ पर विराजित महाराज श्री का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर आदि गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष विजय शर्मा एवं उनके परिवार द्वारा भी संतों और मंच के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

सहयोग राशि भेंट की अजीत मंगलम के अनुसार कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था में सहयोग प्रदान करते हुए श्रीमती चंद्रकला शर्मा द्वारा 25,000 रुपये की राशि भेंट की गई।

मंदिर समिति ने उनके इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति ने धर्मप्रेमी जनता से महायज्ञ और कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की है।

कोडिंग में कमाल ÷ उत्कृष्ट विद्यालय के दो छात्रों को मुख्यमंत्री ने लैपटॉप देकर किया सम्मानित

उज्जैन। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधव नगर के विद्यार्थियों ने तकनीक के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। 'प्रोजेक्ट स्वाध्याय' के अंतर्गत संचालित 'कोड योगी' प्रोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्यालय के दो छात्रों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया गया।

कालिदास अकादमी में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यालय के छात्र अवधेश शर्मा और अश्वनी ठाकुर को लैपटॉप प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इन दोनों विद्यार्थियों ने कोड योगी के तहत कंप्यूटर कोडिंग में कठिन माने जाने वाले 50 से अधिक स्टेज (चरण) सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। शासन ने उनकी इस उपलब्धि को देखते हुए उन्हें लैपटॉप पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए। स्कूल का नाम किया रोशन इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विभा शर्मा ने बताया कि बच्चे अब पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी कौशल में

श्री गजानन महाराज प्रकट दिन के साथ मनाया श्री रामदास नवमी का उत्सव

उज्जैन। श्री भागवत धर्म सेवा न्यास द्वारा संचालित श्री गजानन महाराज मंदिर में महाराज जी का प्रकट दिन और श्री रामदास नवमी का उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। पांच दिनों तक चले इस भव्य धार्मिक आयोजन का समापन महाप्रसाद के साथ हुआ।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. मुकुंद गोखले एवं सचिव हर्षवर्धन गोरे ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्सव के दौरान मंदिर में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज रही। पांचों दिन प्रातः काकड़ आरती और महाआरती का आयोजन किया गया, वहीं शाम को विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ हुआ। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण पुणे (महाराष्ट्र) से विशेष रूप से पधारीं हरि भक्त परायण श्रेया बडवे द्वारा प्रस्तुत कीर्तन रहा, जिन्होंने अपनी मधुर वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्सव के अंतिम दिन महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रसादी ग्रहण की और पुण्य लाभ कमाया।

एक महीने तक की रेकी, फिर सुनसान सड़क पर लूटा

खाचरौद में कलेक्शन एजेंट से वारदात का एसपी ने किया खुलासा, चार गिरफ्तार

कौन आरोपी, किससे क्या बरामद

- मोइन पिता इमरान, निवासी अर्जुन कॉलोनी हाल मुकाम ग्राम सामर- 9,400 रुपए नकद तथा बिना नंबर की बाइक।
- साहिल पिता शहजाद, निवासी ग्राम सामर- 8,400 रुपए नकद व एयरगन।
- अतुल पिता सूर्यमणि यादव, निवासी मुंबई हाल मुकाम ग्राम सामर- 7,400 रुपए नकद और टूटा हुआ टेबलेट।
- अरमान पिता रोशन खान, निवासी ग्राम खामरिया (खाचरौद) 1,000 रुपए नकद व बाइक।
- कुल जब्ती- नकदी, टेबलेट, एयरगन और दो बाइक सहित लगभग 3.14 लाख रुपए का मशरुका।

उज्जैन। खाचरौद में कलेक्शन एजेंट से हुई लूट का पुलिस ने पांच दिन के भीतर खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज वारदात में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन आरोपी धार जिले के सादलपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं, जबकि एक युवक खाचरौद का है, जिसने रेकी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, कंपनी का टेबलेट, एयरगन और दो बाइक सहित कुल 3.14 लाख रुपए से अधिक का माल बरामद किया है।

एसपी प्रदीप शर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि वारदात 4 फरवरी को लसूडिया खेमा और बाछाखेड़ी रोड के बीच हुई थी। फरियादी राहुल मेवाड़ा सतीन क्रेडिट केयर नेटवर्क लिमिटेड कंपनी की खाचरौद ब्रांच में कलेक्शन एजेंट है।

घटना वाले दिन राहुल सुबह करीब 11 बजे ग्राम खामरिया से कलेक्शन कर नंदियासी की ओर जा रहा था। जैसे ही वह लसूडिया खेमा के आगे सुनसान बाछाखेड़ी रोड पर पहुंचा, पीछे से बिना नंबर की बाइक पर आए तीन युवकों ने उसे रोका और लसूडिया गांव का पता पूछने लगे। राहुल के जवाब नहीं देने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। धक्का लगने से वह नीचे गिर गया। इसी दौरान एक आरोपी ने एयरगन निकालकर डराया और कलेक्शन के 52 हजार रुपए से भरा बैग व कंपनी का टेबलेट छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना राहुल ने अपने ब्रांच मैनेजर को दी और खाचरौद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सीसीटीवी से खुला सुराग, बदनावर होते हुए पहुंचे धार

पुलिस ने वारदात के बाद घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में आरोपियों की मूवमेंट बदनावर की ओर जाती दिखाई दी। इसके आधार पर पुलिस टीम बदनावर पहुंची और वहां से तीन संदिग्धों की तस्वीरें जुटाईं। तस्वीरें स्थानीय लोगों और मुखबिरों को दिखाने पर आरोपियों की पहचान धार जिले के सादलपुर थाना क्षेत्र के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने ग्राम सामर में घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में उन्होंने वारदात कबूल कर ली।

आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि घटना से पहले उनके एक साथी ने कलेक्शन एजेंट की रेकी की थी। पुलिस ने रेकी करने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपी आपस में रिश्तेदार और दोस्त हैं।

एक महीने से रखी थी नजर

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले एक महीने से कलेक्शन एजेंट की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे।

उन्हें पता था कि एजेंट ग्रामीण क्षेत्रों में अकेले अधिक नकदी लेकर आता-जाता है। इसी जानकारी के आधार पर सुनसान रास्ता चुनकर लूट की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया।

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बास्केटबॉल स्पर्धा में खेलेंगे उज्जैन के हर्षिता, भूपेंद्र खेलेंगे

उज्जैन। कालिदास कन्या महाविद्यालय के बास्केटबॉल मैदान पर नियमित बास्केटबॉल खेल अभ्यास कर स्थानीय उज्जैन के खिलाड़ी हर्षिता राय (मोना) व पंडित भुपेंद्र शुक्ला ने अपने श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन से उज्जैन बास्केटबॉल का नाम गौरवान्वित करते हुवे अपनी खेल प्रतिभा दिखाते हुवे अपना स्थान बनाया। उज्जैन बास्केटबॉल के विजय विजय बाली व ओम सारवान ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने अपने खेल प्रदर्शन से यह सफलता प्राप्त की वरिष्ठ प्रशिक्षक विजय बाली ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन कर हर्षिता राय बैगलोर व भूपेंद्र शुक्ला मुंबई में खेलेंगे। उक्त स्पर्धा में भारत की श्रेष्ठ अंतर विश्वविद्यालयीन के सोलह टीम के श्रेष्ठ यह पहला अवसर है कि उज्जैन के खिलाड़ी बड़ी स्पर्धा में शामिल हो रहे हैं। खेल एवं युवक कल्याण विभाग की बास्केटबॉल कोच सुनीता यादव व दर्शन ठाकुर के मार्गदर्शन में इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत कर उपलब्धि हासिल की, साथ ही अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी व भारतीय बास्केटबॉल संघ के सचिव कुलविंदर सिंह गिल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने बास्केटबॉल की विभिन्न प्रकार की नवीन जानकारियां प्राप्त कर अपने खेल को निरन्तर आगे बढ़ाते हुवे श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता, खेल अधिकारी श्री ओपी हारोड़, खिलाड़ी राजा कसेरा, डॉ. नरेंद्र अग्रवाल, रिया करड़वाल, अंकिता गोंदिया आदि ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं।

पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन के नव आरक्षकों का बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड का भ्रमण कराया गया

उज्जैन। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्री राजा बाबू सिंह के निर्देशन में एवं श्रीमती मनीषा पाठक सोनी पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन के मार्गदर्शन मेंपुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन में संचालित नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र के नव आरक्ष को का बाल अधिकार संरक्षण विषय के संबंध में फील्ड विजिट के लिएबाल कल्याण समिति उज्जैन एवं किशोर न्याय बोर्ड उज्जैन का आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को विजिट कराया गयाद्य जिसमें बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री लोकेंद्र शर्मा के द्वारा बाल कल्याण समिति के प्रावधान ,कार्य शैली, विधिक प्रावधान के संबंध में विस्तार से बताया ।

बाल संप्रेषण गृह के अधीक्षक मेहताब परस्ते के द्वारा किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल संप्रेषण गृह के संबंध में जानकारी प्रदान कीद्य विशेष किशोर पुलिस यूनिट के प्रभारी निरीक्षक रामचंद्र धमाल एवं प्रधान आरक्षक अवधेश सिंह के द्वारा बच्चों से संबंधित जानकारियां प्रदान की।

पीपीपी मॉडल पर संचालित होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना

फिलहाल संसाधन, स्टॉफ और बजट मंजूरी का इंतजार

उज्जैन। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना की तैयारी अब उज्जैन संभाग में भी तेज हो गई है। योजना को धरातल पर उतारने के लिए उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (यूसीटीएसएल) के बोर्ड का पुनर्गठन कर दिया गया। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) के सीईओ संदीप सोनी को कंपनी का कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया गया है। हालांकि अभी इसके लिए कोई बजट निर्धारित नहीं किया गया है और न ही कार्यालय की व्यवस्था है। स्टॉफ में भी केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति है। बावजूद इसके संदीप सोनी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट को पीपीपी मॉडल के आधार पर सफलता से संचालित करने के प्रयास करेंगे।

नई वित्तीय वर्ष अप्रैल से प्रदेश में शुरू होने जा रही इस योजना के तहत सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित, सुलभ और भरोसेमंद बनाने पर जोर रहेगा। उज्जैन संभाग के आठ जिलों में इस योजना के तहत बस सेवाएं शुरू करने की तैयारी की जा रही है। यूसीटीएसएल के नए बोर्ड में उज्जैन संभाग के उज्जैन, रतलाम, शाजापुर, देवास, नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा जिलों के कलेक्टर, संबंधित महापौर, नगर निकाय प्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। इससे योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक समन्वय मजबूत होगा।

सात रीजनल कंपनियों के जरिए चलेगी व्यवस्था

कार्यकारी निदेशक संदीप सोनी ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर सफलतापूर्वक संचालित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि निजी सहभागिता के माध्यम से योजना को आर्थिक रूप से व्यवहारिक बनाकर आमजन को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के तहत प्रदेश स्तर पर एक मुख्य कंपनी बनाई गई है। इसके अंतर्गत सात रीजनल (क्षेत्रीय) कंपनियां कार्य करेंगी। ये कंपनियां अपने-अपने क्षेत्रों में बस परिवहन सेवाओं का संचालन करेंगी। बस संचालन के लिए पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल अपनाया जाएगा। यानी बसें निजी ऑपरेटर उपलब्ध कराएंगे, जबकि रूट तय करना, किराया निर्धारण, समय-सारणी, यात्री सुविधाएं और निगरानी का जिम्मा संबंधित कंपनियों के पास रहेगा।

उज्जैन के डॉ. हितेश दिल्लीवाल बने इंडियन प्रेस यूनियन के आजीवन सदस्य

उज्जैन। शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रखर व्यक्तित्व डॉ. हितेश दिल्लीवाल को राष्ट्रीय स्तर के मीडिया संगठन 'इंडियन प्रेस यूनियन' (आईपीयू) ने अपनी आजीवन सदस्यता प्रदान की है। इस उपलब्धि से डॉ. दिल्लीवाल ने न केवल अपना बल्कि उज्जैन शहर का नाम भी राष्ट्रीय पटल पर अंकित किया है।

इंडियन प्रेस यूनियन के नई दिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, डॉ. हितेश दिल्लीवाल को सदस्यता क्रमांक (आईएनडी- 75387) आवंटित किया गया है। ज्ञात हो कि इंडियन प्रेस यूनियन भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत एक प्रमुख संस्था है, जो देश भर में मीडियाकर्मियों के अधिकारों, सुरक्षा और पत्रकारिता के उच्च मापदंडों के लिए कार्य करती है।

सामाजिक सरोकारों को मिलेगी नई दिशा डॉ. हितेश दिल्लीवाल उज्जैन में अपनी सामाजिक, विधिक और जनसेवा से जुड़ी गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं। आईपीयू के साथ जुड़ने से अब वे पत्रकारिता के माध्यम से जनहित के मुद्दों को और अधिक प्रखरता से उठा सकेंगे। संगठन का मानना है कि उनकी सक्रियता से मध्य प्रदेश, विशेषकर उज्जैन संभाग में संगठन की गतिविधियां सशक्त होंगी।

सत्य और निष्ठा के प्रति संकल्पित

आजीवन सदस्यता प्राप्त करने पर डॉ. दिल्लीवाल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ÷यह सदस्यता मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं पत्रकारिता की गरिमा, सत्य और पारदर्शिता को बनाए रखते हुए राष्ट्र और समाज के हित में निरंतर कार्य करने के लिए संकल्पित हूँ।

वेलेंटाईन डे से पहले गुलाब की कलियां हुई महंगी

डच गुलाब की कली 35 रुपये तक पहुंची

उज्जैन। वेलेंटाइन डे अभी आने में कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही फूलों के बाजार में गुलाब की कीमतों ने रफ्तार पकड़ ली है। उज्जैन की थोक फूल मंडी में बुधवार सुबह डच गुलाब की एक कली 30 से 35 रुपये प्रति नग तक बिकी, जिससे खुदरा बाजार में कीमतें और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि 14 फरवरी के दिन गुलाब के दाम और ऊंचे पहुंच सकते हैं।

थोक फूल व्यवसायी अभिषेक दयाल ने बताया कि वेलेंटाइन डे को लेकर शहर में पहले से ही मांग बढ़ने लगी है। खासतौर पर डच गुलाब, जो प्रेम दिवस पर सबसे अधिक पसंद किया जाता है, उसकी आवक सीमित होने के कारण दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। बाहर से आने वाले गुलाब की लागत बढ़ने और परिवहन खर्च के चलते भी कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। हालांकि गुलाब भले ही महंगा हो रहा हो, लेकिन थोक मंडी में देशी फूलों की बंपर आवक से ग्राहकों को कुछ राहत जरूर मिल रही है। बिजली का फूल, गेंदा और देशी गुलाब भरपूर मात्रा में मंडी में पहुंच रहे हैं, जिससे इनके दाम फिलहाल नियंत्रण में हैं। बुधवार की सुबह बिजली का फूल 25 से 30, गेंदा फूल 50 से 60 और गुलाब 80 से 100 रुपए प्रतिकिलो तक बिका।

बंद हो चुकी वाहन निर्माता कंपनियों का डेटा नहीं, फिटनेस-परमिट अटके

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की अनिवार्यता में अनेक परेशानियां

उज्जैन। पुराने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की अनिवार्यता में वाहन मालिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल अनेक वाहन कंपनियों के बंद हो जाने से पोर्टल पर उनका डेटा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में फिटनेस-परमिट और आरटीओ संबंधित काम अटक रहे हैं।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को अनिवार्य किए जाने के बाद बंद हो चुकी वाहन निर्माता कंपनियों के हजारों वाहन मालिक बड़ी प्रशासनिक परेशानी में फंस गए हैं। निर्माता कंपनी का अस्तित्व ही न होने के कारण एचएसआरपी पोर्टल पर वाहन का डेटा है ही नहीं। बता दें कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और केंद्रीय मोटर वाहन नियम के नियम 50 के तहत सभी दोपहिया, चार पहिया, व्यावसायिक वाहनों पर एचएसआरपी अनिवार्यता लागू की गई है। एचएसआरपी केवल परिवहन विभाग द्वारा अधिकृत वेंडर के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए, वाहन निर्माता के डेटा के आधार पर ही मिलती है। प्लेट नहीं लगाने पर चालान के साथ फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट नवीनीकरण और अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं रोकी जा सकती हैं। जो वाहन निर्माता कंपनियां बंद हो चुकी हैं, उनके वाहनों का डेटा पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होने से एचएसआरपी के लिए आवेदन संभव नहीं हो पा रहे हैं। परिवहन विभाग ने फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट नवीनीकरण और अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं रोक रखी हैं। उज्जैन में ही ऐसे करीब 500 वाहन हैं, जबकि प्रदेशभर में यह संख्या 55 हजार से ज्यादा बताई जा रही है।

इसके बाद विभाग ने इन वाहन स्वामियों के हित में इतने दिन बाद भी कोई फैसला नहीं किया है। इसे लेकर एएमडब्ल्यू कंपनी के ट्रक के वाहन स्वामी ने विभाग के अफसरों और मंत्री से शिकायत की है। उनका कहना है कि एएमडब्ल्यू कंपनी वर्षों पहले बंद हो चुकी है, जिससे अधिकृत एचएसआरपी प्रणाली में आवेदन संभव नहीं हो पा रहा। यह स्थिति वाहन स्वामी के दायरे से बाहर है। इसके बाद भी विभाग ने फिटनेस और परमिट रोक दिया है। विभाग की ओर से ऐसा किया जाना, प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के खिलाफ है।

सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन को मिलेगा 'जल सुरक्षा कवच'

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को रफ्तार देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को हरियाखेड़ी ग्राम में 1133.67 करोड़ रुपए की लागत वाली हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का वेद मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन किया। इस योजना का मकसद सिर्फ सिंहस्थ के दौरान पानी की निर्बाध आपूर्ति करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में उज्जैन की बढ़ती आबादी की जरूरतों को भी पूरा करना है।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन की पहचान आस्था की नगरी के रूप में है, ऐसे में यहां जल व्यवस्था मजबूत और आधुनिक होना जरूरी है। परियोजना के तहत नई पाइपलाइन बिछाने के साथ पुरानी जर्जर एसीपी पाइपलाइन को बदला जाएगा, जिससे पानी की बर्बादी कम होगी और हर घर तक शुद्ध जल पहुंचेगा।

250 एमएलडी क्षमता के बनेंगे नए जल शोधन संयंत्र

परियोजना के तहत हरियाखेड़ी और गंभीर पर दो नए इंटेक वेल बनाए जाएंगे। जिसमें अंबोदिया (70 एमएलडी), गौघाट (80 एमएलडी) और हरियाखेड़ी (100 एमएलडी) में तीन नए जल शोधन संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इनकी कुल क्षमता 250 एमएलडी होगी। इसके साथ ही मौजूदा सात जल शोधन संयंत्रों (151 एमएलडी) को भी मजबूत और उन्नत किया जाएगा।

708 किमी पाइपलाइन और 17 ओवरहेड टैंक

शहर में 708 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन डाली जाएगी, जिसमें से 534 किमी नया वितरण नेटवर्क होगा। लगभग 136 किमी क्लियर वॉटर पाइपलाइन (150 से 800 मिमी व्यास) और 39.75 किमी रॉ वॉटर पाइपलाइन (900 से 1300 मिमी व्यास) का निर्माण किया जाएगा। 600 से 3000 किलोलीटर क्षमता के 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। इसके साथ 49,087 नए घरेलू जल कनेक्शन दिए जाएंगे।

सिंहस्थ और भविष्य की जरूरतों पर फोकस

सिंहस्थ 2028 के दौरान शहर की प्रभावी जनसंख्या लगभग 9.65 लाख और मेला क्षेत्र की अस्थायी आबादी 21.83 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। दिव्य-राजसी स्नान के दिनों में एक ही दिन में 2.28 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

परियोजना में उज्जैन के आसपास के 20 गांवों को भी शामिल किया गया है, जो नगरीय विस्तार क्षेत्र में आते हैं। यह योजना वर्ष 2055 तक शहर की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना एक नजर में

- कुल लागत - 1133.67 करोड़
- समय सीमा - 24 माह
- कुल नई क्षमता- 250 एमएलडी
- नए इंटेक वेल- 2
- नए जल शोधन संयंत्र- 3
- नए ओवरहेड टैंक- 17
- पाइपलाइन- 708 किमी
- नए घरेलू कनेक्शन- 49,087
- क्षमता- 2055 तक की जल जरूरतें पूरी होंगी

भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण ने पितृपुरूष पं. दीनदयाल जी उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण द्वारा आज भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ जी के मुख्य आतिथ्य में भारतीय जनता पार्टी के पितृपुरूष, जनसंघ के संस्थापक सदस्य पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। जिसके पीछे दीनदयाल जी का संघर्ष, समर्पण है। एकात्म मानववाद का मंत्र लेकर भाजपा आज अंतिम व्यक्ति तक अपनी सरकार की जनहितैषी योजनाओं को पहुंचा रही है। वरिष्ठ नेता व समर्पण निधि के जिला प्रभारी श्री किशोर मेहता ने कहा कि भाजपा आज अपने विचार के कारण सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है, भारत माता को आराध्य मानकर कार्य किया, देशभर में पार्टी की विचारधारा को पहुंचाने में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का महत्वपूर्ण योगदान है।

संपादकीय

12वीं मानविकी के बाद करियर विकल्प

कक्षा पूरी करने के बाद कला पाठ्यक्रम ढूंढना छात्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, हालांकि, हम उन लोगों के लिए वन-स्टॉप समाधान लेकर आए हैं जो कला स्ट्रीम में सर्वोत्तम कैरियर के अवसरों की तलाश में हैं। कला के अवसरों और कैरियर के अवसरों के बारे में भी जानने के लिए इस शिक्षा लेख को पढ़ें। बाद में पछताने से बेहतर है कि प्रयास किया जाए। यह कहावत बहुत कुछ कहती है लेकिन आने वाली पीढ़ी को यह समझने की जरूरत है कि अपना करियर चुनना आपके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है, खासकर कला स्ट्रीम के छात्रों के लिए। जो छात्र 12वीं कक्षा पूरी कर चुके हैं और 12वीं कला के बाद स्नातक या डिप्लोमा करने की योजना बना रहे हैं, वे भी ऐसे अवसरों की तलाश में हैं जो लंबी अवधि में उनके पेशेवर करियर को पंख दें। हालाँकि, कला स्ट्रीम के लिए करियर चुनना कुछ चुनौतियों के साथ आता है क्योंकि जब विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम की तुलना में कला की बात आती है तो हमारे समाज में अधिकांश लोगों की राय अलग-अलग होती है। यह निर्णय लेना कि आप अपने जीवन के साथ क्या करना चाहते हैं, बहुत बड़ी बात है। अधिकांश समय, लोग विज्ञान और वाणिज्य के बारे में बहुत सारी बातें करते हैं, लेकिन सोचिए क्या? कला क्षेत्र में भी नौकरी के कुछ शानदार अवसर हैं। हालाँकि कुछ लोग सोचते हैं कि कला आपको अधिक पैसा नहीं दिलाएगी या आपको खुश नहीं करेगी, लेकिन यह सच नहीं है। 12वीं के बाद आर्ट्स में कई करियर विकल्प काफी स्कोप देते हैं। इस लेख में, हम 12 वीं कक्षा की कला के बाद सभी बेहतरीन नौकरियों की जाँच करने जा रहे हैं, और हम कुछ नौकरियों के बारे में भी बात करेंगे जो कला स्ट्रीम में अच्छा भुगतान करती हैं। कला स्ट्रीम सामाजिक विज्ञान, डिजाइन, मानविकी और भाषा जैसे विभिन्न विषयों से बनी है। इन विषयों का अध्ययन करने से आपकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच कौशल में सुधार हो सकता है, जिससे आपको दुनिया की गहरी समझ मिल सकती है। 12वीं कला के बाद छात्रों के पास करियर विकल्प चुनने के लिए कई विकल्प होते हैं जैसे पत्रकारिता, शिक्षण, जनसंपर्क, ग्राफिक डिजाइनिंग और भी बहुत कुछ। एक बार जब आप 12वीं कला के बाद विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जान लेंगे तो अपने पसंदीदा विषयों को चुनना बहुत आसान हो जाएगा। 12वीं आर्ट्स के बाद करियर विकल्प- एक बार जब आप कला स्ट्रीम में अपनी 12वीं कक्षा पूरी कर लेते हैं, तो अवसरों की गुंजाइश बढ़ जाती है। जबकि वाणिज्य और विज्ञान स्ट्रीम सभी सुर्खियों में है, अब कला स्ट्रीम में कुछ लोकप्रिय करियर विकल्पों का पता लगाने का समय है। 1. मानविकी कैरियर और पारंपरिक कला- जो छात्र इस कोर्स को करना चाहते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि वे ऐसे विकल्प चुन सकते हैं जो समाज में योगदान करने में मदद कर सकते हैं। ललित कला- जिन उम्मीदवारों में दृश्य कला के प्रति गहरी रुचि है, उन्हें इस पेशे को चुनना चाहिए और वे मूर्तिकार, एनिमेटर, ग्राफिक डिजाइनर और चित्रकार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में से चुन सकते हैं। प्रदर्शन कलाएँ- जिन्हें दूसरों को प्रशिक्षित करने में खुशी मिलती है, उनके पास नृत्य, गायन, पत्रकारिता, कॉपी राइटिंग, तकनीकी लेखन, मंच निर्देशन और रचनात्मक लेखन जैसे करियर बनाने के विभिन्न अवसर होते हैं। शिक्षण एक शिक्षक के रूप में करियर बनाना समाज में बदलाव लाने और युवा दिमागों में योगदान करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। जो लोग शिक्षण में रुचि रखते हैं वे प्राथमिक और उच्च शिक्षा के लिए नृत्य, कला और शिल्प, संगीत और शिक्षण जैसे कुछ विशेष क्षेत्रों में करियर विकल्प चुन सकते हैं। 2. कला में आगामी करियर के अवसर- जो लोग ऐसा करियर बनाना चाहते हैं जो आने वाले भविष्य में हिट हो, उन्हें निम्नलिखित करियर विकल्पों में अपना करियर बनाना चाहिए। कला प्रशासन- यदि आप ऐसे क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं जिसमें कला संगठनों को बढ़ावा देने और प्रबंधित करने जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ शामिल होंतो यह फ़ील्ड आपके लिए है. इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्र संग्रहालयों, थिएटरों, कला परिषदों और दीर्घाओं में काम करना चुन सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट- इवेंट मैनेजमेंट उद्योग में कुशल पेशेवरों की भारी मांग है और इसलिए लोग उन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं जिनमें योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता होती है जैसे प्रदर्शनियां, त्योहार, शादी और सम्मेलन। सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना- कला स्ट्रीम में कई तरह के करियर हैं और ऐसा ही एक करियर सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है। जो लोग विरासत संरक्षण, संग्रहालय अध्ययन और पुरातत्व में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

3. 12वीं के बाद उच्च वेतन के साथ करियर विकल्प- आर्ट्स स्ट्रीम करियर विकल्पों को मुख्य रूप से कम वेतन वाली नौकरियों के रूप में जाना जाता है, हालांकि, विभिन्न क्षेत्रों में उच्च वेतन क्षमता भी है; यहां नीचे उल्लिखित कुछ विकल्प दिए गए हैं। कला प्रशासन- कला प्रशासन से संबंधित उच्च स्तरीय नौकरी भूमिकाएँ, जैसे कार्यकारी निदेशक या क्यूरेटर, जो उच्च वेतन के साथ आती हैं। इवेंट मैनेजमेंट- जो लोग हाई-एंड इवेंट के लिए उच्च भुगतान वाली फीस की तलाश में हैं, उन्हें इवेंट प्लानर के रूप में इस पेशे को अपनाना चाहिए। जनसंपर्क और कला विपणन- जिन लोगों के पास जनसंपर्क और कला विपणन में वर्षों का पेशेवर अनुभव है, वे मुख्य रूप से शहरों में अच्छा वेतन प्राप्त कर सकते हैं। ललित कला- सफल करियर बनाने वाले अनुभवी और प्रसिद्ध कलाकार अपनी कलाकृति की बिक्री के माध्यम से आकर्षक आय अर्जित करने के लिए जाने जाते हैं। 4. सही करियर चुनने के तरीके- अपना करियर चुनना व्यक्तिपरक है लेकिन शुरुआत करने के लिए संकेत लेना हमेशा अच्छा होता है क्योंकि कभी-कभी किसी को उन चीजों पर सलाह की आवश्यकता होती है जिनके बारे में करियर चुनने से पहले नहीं पूछने पर बाद में पछताना पड़ सकता है।

अपनी रुचियों को जानें- अपने जुनून, रुचियों और शक्तियों को जानना एक करियर की पहचान करने के लिए पहला कदम है जो आपको अपने जीवन में वह हासिल करने में मदद करेगा जो आप चाहते हैं। रुचि और जुनून की यह स्पष्टता आपको अपने करियर विकल्पों को सीमित करने में मदद करेगी। ज्ञान- यदि आप कुछ बड़ा करना चाहते हैं तो उस क्षेत्र से संबंधित ज्ञान प्राप्त करना और उस पेशे के फायदे और नुकसान क्या हैं, यह जानना महत्वपूर्ण है। यदि आप अभी भी यह सब जोखिम उठाना चाहते हैं तो इससे आपको यह चुनने में अधिक स्पष्टता मिलेगी कि आप किसमें सर्वश्रेष्ठ हैं। व्यावहारिक अनुभव- यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो व्यावहारिक अनुभव के बिना अपने शौक से करियर बनाने की सोच रहे हैं तो इससे आपके पेशेवर करियर की नींव कमजोर हो सकती है। इंटर्नशिप, अंशकालिक नौकरी के अवसरों या केवल उस विशेष क्षेत्र में स्वयंसेवा के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना बेहतर है। इससे आपको वास्तविकता का पता चलेगा और आने वाले वर्षों में आपकी पेशेवर यात्रा पर एक विहंगम दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलेगी। नेटवर्किंग कुंजी है- प्रासंगिक संपर्क बनाना, जो लोग एक ही पेशे में काम कर रहे हैं, उनके साथ आपको नेटवर्क बनाने की आवश्यकता है ताकि आप उद्योग विशेषज्ञों से ज्ञान प्राप्त कर सकें। इससे आपका समय बचेगा और आपको ठीक-ठीक पता चलेगा कि आप क्या खोज रहे हैं।

रिश्तों की डोर

हर अगले रोज थोड़ा ज्यादा मशीनी होती जिंदगी में यह एक सामान्य अनुभव है कि रिश्ते हमारे जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं । चाहे वह दोस्ती हो, परिवार हो या फिर एक प्रेम संबंध, सभी रिश्तों की नींव विश्वास और आपसी समझ पर टिकी होती है, लेकिन कई बार इन्हीं रिश्तों में उपेक्षा का दंश और विश्वास की कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जो संबंधों को कमजोर कर देती हैं। आजकल जिंदगी की भाग-दौड़ में लोगों के बीच दूरियां बढ़ती ही जा रही हैं। किसी से उपेक्षित होना किसी भी रिश्ते में सबसे खतरनाक स्थिति होती है। यह वह स्थिति है जब किसी एक व्यक्ति को यह महसूस होने लगता है कि उसका साथी उसकी भावनाओं, आवश्यकताओं और इच्छाओं को महत्त्व नहीं दे रहा है। उपेक्षा धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से कमजोर कर देती है । कामकाजी जीवन, सामाजिक दायित्वों और व्यक्तिगत लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है। इससे संबंधों में समय की कमी होने लगती है, जो आखिर उपेक्षा का कारण बनता है। कई बार व्यक्ति अपने जीवन में इतना आत्म- केंद्रित हो जाता है कि वह अपने साथी की भावनाओं और आवश्यकताओं को नजरअंदाज करता जाता है। वह अपने सपनों, इच्छाओं और लक्ष्यों को पूरा करने में इतना व्यस्त हो जाता है कि उसके साथी को महसूस होने लगता है कि उनकी उपेक्षा हो रही है। एक बात यह भी है कि समय के साथ लोगों की प्राथमिकताएं बदलती हैं, जिसका असर कई बार स्पष्ट दिखने लगता है। मसलन, शादी के शुरुआती वर्षों में जो व्यक्ति अपने साथी के साथ अधिक समय बिताता था, वह बाद में अपने करियर या अन्य गतिविधियों में इतना खो जाता है कि उसका साथी उपेक्षित महसूस करने लगता है। अपने कामकाज के लिए हम किसी अपने की उपेक्षा करके उसका दिल तो दुखा देते हैं, पर उसका प्रभाव गहरा होता जाता है। यह व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट पहुंचा सकता है और उसे अपने आप में संदेह करने पर मजबूर कर सकता है। उपेक्षा से व्यक्ति के भीतर अकेलेपन की भावना पनप सकती है, जिससे वह मानसिक और भावनात्मक रूप से अस्थिर हो सकता है।

लंबे समय तक उपेक्षा सहने से व्यक्ति रिश्ते में रुचि खोने लगता है और रिश्ते में दरार पड़ने लगती है। इस तरह के दरार को पाटने के लिए एक दूसरे पर विश्वास होना आवश्यक है। विश्वास किसी भी रिश्ते की नींव होता है। यह वह धागा है जो दो लोगों को आपस में जोड़ता है, लेकिन जब इस धागे में दरार आ जाती है, तो रिश्ते का टूटना तय होता है। अक्सर देखा गया है कि कई बार व्यक्ति के अतीत में हुए धोखे और धोखाधड़ी के अनुभव उसे नए रिश्ते में विश्वास करने से रोकते हैं । उसे डर रहता है कि वही इतिहास दोहराया न जाए और इस डर के कारण वह अपने साथी पर पूरी तरह से विश्वास नहीं कर पाता। असुरक्षा की भावना भी विश्वास की कमी का एक प्रमुख कारण है। व्यक्ति को लगता है कि उसका साथी उसे छोड़ सकता है या धोखा दे सकता है। यह भावना उसे अपने साथी पर विश्वास करने से रोकती है और वह संदेह की दृष्टि से अपने साथी को देखने लगता है। कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां भी बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। जब दो लोगों के बीच संवाद की कमी होती है, तो वे एक- दूसरे के बारे में गलत धारणाएं बना लेते हैं। ये गलतफहमियां विश्वास की कमी का कारण बनती हैं। जब रिश्ते में विश्वास की कमी होती है, तो व्यक्ति को अपने साथी के हर कार्य पर संदेह होने लगता है। वह साथी के फोन, संदेश, ईमेल आदि की जांच करने लगता है। यह संदेह और असुरक्षा की भावना धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से कमजोर कर देती है। विश्वास की कमी से रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो जाती है, जो धीरे-धीरे रिश्ते के टूटने का कारण बनती है। संवाद और संचार किसी भी रिश्ते का बुनियादी आधार होता है। अगर रिश्ते में उपेक्षा बढ़ रही हो और विश्वास की कमी हो रही हो, तो सबसे पहले दोनों पक्षों को खुलकर बातचीत करनी चाहिए । अपनी भावनाओं, चिंताओं और समस्याओं को एक-दूसरे के सामने रखना चाहिए, ताकि गलतफहमियां दूर हों और रिश्ते में मजबूती आए । उपेक्षा से बचने के लिए दोनों पक्षों को एक-दूसरे के लिए समय निकालना चाहिए, चाहे वह कुछ मिनट के लिए फोन पर बातचीत हो या संवेदना के खोए सूत्रों को फिर से जोड़ना । यह महत्त्वपूर्ण है कि एक-दूसरे के साथ समय बिताया जाए। आत्म जागरूकता रिश्ते में सुधार लाने का एक महत्त्वपूर्ण जरिया है। अगर किसी को लगता है कि वह अपने साथी की उपेक्षा कर रहा है या उस पर विश्वास नहीं कर रहा है, तो उसे अपने व्यवहार का विश्लेषण करना चाहिए 7 कारणों की खोज के बाद उसे सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दो लोगों के बीच कुछ गलतियां होना स्वाभाविक है, लेकिन माफी मांगने और माफ करने से रिश्ते में विश्वास की भावना फिर से स्थापित होती है। एक-दूसरे की सराहना करना भी रिश्ते को मजबूत करने का एक कारण बनता है। जब कोई अपने साथी के प्रयासों और योगदान को सराहता है, तब उसे यह महसूस होगा कि उसकी उपेक्षा नहीं हो रही है । यह रिश्ते में सकारात्मकता और प्रेम की भावना को बनाए रखता है। दरअसल, रिश्ते को निभाने में समझ, धैर्य और विश्वास की आवश्यकता होती है। विश्वास की कमी रिश्तों को बर्बाद कर सकती है, लेकिन अगर दोनों पक्ष समय पर इन समस्याओं को पहचानकर उनका समाधान करें, तो रिश्ते को मजबूत किया जा सकता है। एक मजबूत और स्वस्थ रिश्ता वही होता है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे की भावनाओं, आवश्यकताओं और इच्छाओं का सम्मान करते हैं और आपसी विश्वास बनाए रखते हैं।

बच्चों को प्रतिबंधित करने वाली सोशल मीडिया की आयु सीमा बहुत कम है, बहुत देर हो चुकी है

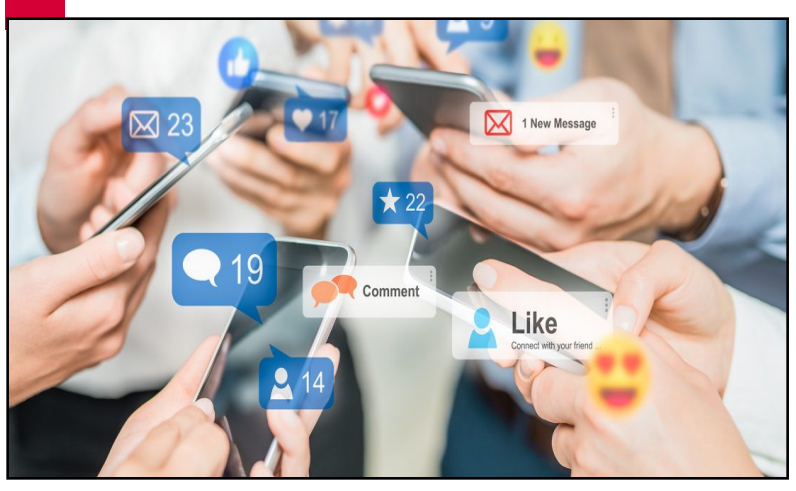

बच्चों को प्रतिबंधित करने वाली सोशल मीडिया की आयु सीमा बहुत कम है, बहुत देर हो चुकी है लेकिन शोध से पता चला है कि सोशल मीडिया के लिए आयु सीमा किशोरों को इसके संभावित नुकसान से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका नहीं है ऑस्ट्रेलिया की सरकार 16 साल तक के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करना चाहती है, और यह पता लगाने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर रही है। मैं शर्त लगाने को तैयार हूं कि तकनीक-प्रेमी किशोरों को, जो इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब पर बड़े हुए हैं, उन्हें वापस लॉग इन करने का तरीका जानने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। वादा किया गया विनियमन, वर्तमान में विवरणों पर विरल है, ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर के नीति निर्माता और माता-पिता इन प्लेटफार्मों के विकासशील दिमागों पर पड़ने वाले नकारात्मक परिणामों से जूझ रहे हैं। यह वैश्विक बहस वर्षों से चली आ रही है, 2021 में फेसबुक (अब मेटा प्लेटफ़ॉर्म इंक) के पूर्व कर्मचारी फ़्रांसिस हाउगेन के दस्तावेज़ लीक होने के बाद चरम पर पहुंच गई, जिसमें दिखाया गया था कि कंपनी को पता था कि उसके उत्पाद लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक थे। वर्षों बाद, अमेरिकी सांसद अभी भी शक्तिशाली बिग टेक कंपनियों को युवा उपयोगकर्ताओं को होने वाले नुकसान के लिए जवाबदेह बनाए रखने के लिए संघीय विनियमन पर जोर दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया मामले को अपने हाथ में ले रहा है. प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने इस वर्ष आयु सीमा निर्धारित करने वाले नए कानून लाने का वादा किया, उन्होंने कहा कि सरकार कटऑफ के लिए 14 और 16 के बीच की सीमा पर विचार कर रही है। एक्स पर माताओं और पिताओं के लिए पोस्ट किए गए एक वीडियो में, अल्बानीज़ ने कहा कि वह चाहते हैं कि बच्चे अपने उपकरणों से दूर और फ़ुटी फ़ील्ड पर आएं। सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि अधिकांश ऑस्ट्रेलियाई सोशल-मीडिया आयु सीमा का समर्थन करते हैं, और इस विचार को व्यापक राजनीतिक समर्थन प्राप्त है। लेकिन अल्बानीज़ भी स्वीकार करते हैं कि वे अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह वास्तव में कैसे काम करेगा। सरकार यह नहीं पहचानती है कि युवा प्रतिबंध किन सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लागू होगा (क्या बच्चे व्हाट्सएप पर अपने माता-पिता को संदेश भेज सकते हैं? या यूट्यूब पर खान अकादमी के बीजगणित ट्यूटोरियल देख सकते हैं?)। यह प्रवर्तन (बिग ब्रदर-एस्क डिजिटल आईडी? बच्चों को और अधिक अपराधी बनाना, इस बार टिकटॉक खोलने के लिए?) पर विशेष विवरण प्रदान नहीं करता है। और ठोस नीतियों के अभाव में, इसे चुनावी वर्ष से पहले एक लोकप्रिय मुद्दे पर मतदान करने वाले माता-पिता के प्रति चिंता का संकेत देने वाले एक ठोस प्रस्ताव के रूप में नहीं देखना मुश्किल है - वास्तव में बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए कुछ भी पूरा किए बिना। सिलिकॉन वैली से हजारों मील दूर, ऑस्ट्रेलिया बिग टेक के प्रभुत्व पर लगाम लगाने के प्रयासों में अग्रणी रहा है। डिजिटल गलत सूचना पर नकेल कसने के उद्देश्य से अलग प्रस्तावित कानून ने एलन मस्क को भी नाराज कर दिया है, जिन्होंने पिछले हफ्ते सरकार को फासीवादी करार दिया था। (सरकार ने एक आतंकवादी हमले के हिंसक वीडियो पर मस्क के एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर मुकदमा दायर किया है, लेकिन अदालत में हार गई।) टेक दिग्गजों को समाचार सामग्री के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर करने के लिए राष्ट्र वर्षों से लड़ाई में लगा हुआ है। ऐसे समय में जब अन्य न्यायक्षेत्र ऐसी शक्तिशाली कंपनियों को लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऑस्ट्रेलिया के बहुआयामी हमले सराहनीय हैं। लेकिन शोध से पता चला है कि सोशल मीडिया के लिए आयु सीमा किशोरों को इसके संभावित नुकसान से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका नहीं है। युवा लोगों ने समाधान खोजने में उल्लेखनीय कौशल दिखाया है - यहां तक कि 13 वर्ष से कम उम्र के लोग भी जिन पर अधिकांश प्लेटफ़ॉर्म पहले से ही प्रतिबंध लगाते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने तर्क दिया है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों के लिए स्वाभाविक रूप से फायदेमंद या हानिकारक नहीं है, लेकिन सख्त आयु सीमाएं किशोरों के परिपक्वता स्तर में व्यक्तिगत अंतर को नजरअंदाज करती हैं। दूसरे शब्दों में, 16 साल का हो जाना तुरंत नहीं बनताआप 14 साल के एक परिपक्व बच्चे की तुलना में डिजिटल दुनिया में नेविगेट करने में अधिक सक्षम हैं। इस अनुभाग से और अधिक इंटेल इंटेल को सेना के लिए एमएफजी चिप्स के लिए पेंटागन से 3 बिलियन प्राप्त हुए; शेयरों में बढ़त डायची जापानी कंपनी दाइची लक्षित कैंसर दवाओं की खोज में अकेले जाना चाहती है जो बिडेन, बिडेन, जो इज़राइल के रक्षा मंत्री गैलेंट ने युद्ध पर बिडेन के वरिष्ठ सलाहकार को अपडेट किया अमेरिका ने गाजा में हमलों को लेकर इजरायली सेना के प्रति निराशा व्यक्त की है अमेरिकी न्याय विभाग का कहना है कि Google ने विज्ञापन स्टार्टअप AdMeld को खतरे के रूप में देखा और इसे खरीद लिया व्यापक आयु सत्यापन को ऑनलाइन लागू करने की प्रक्रिया गोपनीयता संबंधी चिंताओं को जन्म देती है।

जिसमें युवा उपयोगकर्ताओं के बारे में जानकारी की पहचान करने से लेकर डिजिटल गुमनामी बनाए रखते हुए इंटरनेट को स्वतंत्र रूप से ब्राउज़ करने की उनकी क्षमता में कटौती तक शामिल है। डिजिटल समुदायों तक पहुंच को पूरी तरह से बंद करने से कुछ युवाओं, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले समूहों के लोगों की जीवनरेखा भी ख़राब हो सकती है। टिकटॉक, विशेष रूप से, स्वदेशी आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए एक लोकप्रिय मंच के रूप में उभरा है, जिससे उन्हें एक ऐसा स्थान मिल गया है जहां वे बजट-अनुकूल व्यंजनों से लेकर नस्लवाद पर संबंधित प्रतिक्रियाओं तक सब कुछ साझा करते हैं। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले स्वदेशी युवा, जो अपनी कहानियों को पारंपरिक मीडिया में प्रतिबिंबित नहीं देख पाते, वे कम अलग-थलग महसूस कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में एलजीबीटीक्यू+ समर्थकों ने प्रतिबंध प्रभावी होने पर कमजोर समलैंगिक किशोरों के लिए कनेक्शन के संभावित नुकसान के बारे में इसी तरह की चिंता जताई है। अधिक मोटे तौर पर, तकनीकी शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि युवाओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बाहर करने से वे वेब के अंधेरे, यहां तक ??कि कम विनियमित कोनों में चले जाएंगे। फिर भी, सबूतों का बढ़ता समूह इस बात की ओर इशारा करता है कि युवा लोगों को नुकसान का एक बड़ा भंडार हो सकता है, क्योंकि कंपनी के अधिकारी किसी भी लिंक को हटाना पसंद करते हैं। यह बिल्कुल महत्वपूर्ण है कि कानून निर्माता बच्चों को इन जोखिमों से बचाने के लिए कार्रवाई करें, लेकिन जटिल, वैश्विक समस्याओं के लिए त्वरित समाधान बेचने से वास्तविक दुनिया के प्रभावी समाधानों के लिए आवश्यक कठिन नीतिगत कार्यों से ध्यान भटक जाता है। युवाओं को डिजिटल जीवन में भाग लेने से प्रतिबंधित करने में एक पीढ़ी बहुत देर हो चुकी है। वास्तविकता यह है कि आजकल किशोर बहुत अधिक ऑनलाइन बढ़ रहे हैं, यह प्रवृत्ति महामारी के कारण तेज हो गई है। यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि बच्चों को इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है, लेकिन वयस्कों की यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी है कि यह हानिकारक न हो। नीति निर्माताओं को सोशल मीडिया कंपनियों को उनकी सेवाओं से होने वाले नुकसान, खासकर युवा उपयोगकर्ताओं को होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने पर ध्यान देने की जरूरत है। वे यह मांग करके शुरुआत कर सकते हैं कि प्लेटफ़ॉर्म उनके एल्गोरिदम कैसे काम करते हैं, इसके बारे में अधिक पारदर्शिता प्रदान करें और अधिक बाहरी शोधकर्ताओं को जोखिमों की पहचान करने की अनुमति दें। उनकी सेवाओं को कैसे डिज़ाइन किया गया है, इस पर डेटा साझा किए बिना, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों के लिए खतरों को संबोधित करने वाले समाधानों की सिफारिश करना कठिन है। कानून निर्माताओं को सोशल मीडिया कंपनियों की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो अपने उपयोगकर्ताओं को समझने, युवा लोगों के लिए अधिक रेलिंग बनाने और लागू करने के लिए काफी प्रयास करती हैं। तकनीकी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म पर जोखिम कम करने की जिम्मेदारी डाले बिना, आयु सीमा को कुछ साल बढ़ाने से अगली पीढ़ी सुरक्षित नहीं रहेगी। बाढ़ के पानी को बाल्टी में डालने के बजाय, ऑस्ट्रेलिया और उसके बाहर के नीति निर्माताओं को उगलने वाले नलों को बंद कर देना चाहिए।

बुनियादी सुधार कब होंगे?

भारत में एक नई संकल्पना उभरती है। आज भारत में स्त्री जागरण पूरी तरह पश्चिम के नारीवाद से प्रभावित नजर आता है, जबकि भारत और पश्चिम के जनमानस में भारी अंतर है। जब हम भारत में नारी सशक्तीकरण के पश्चिमी मॉडल की बात करते हैं तो उसमें बुनियादी सुधारों का अभाव दिखता है। भारत का वर्तमान स्त्री विमर्श शहरी मध्यम वर्गीय और अभिजात्य वर्ग तक सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों और निम्न आय वर्ग में महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा और शोषण की समस्या आम है। वे अभी इनको लेकर मुखर भी नहीं हैं और सहती रहती हैं। शहरों और उच्च वर्ग में इस तरह की घटनाओं को लेकर महिलाएं रिपोर्ट कर रही हैं।

भारतीय जनमानस में एकाएक महिलाओं का नेतृत्व स्वीकार्य होना आसान नहीं है। पिता, भाई और पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी वे सक्षम नहीं हुई हैं, जबकि यूरोपीय देशों के नारी सशक्तीकरण का मॉडल एक अलग दृष्टि को दर्शाता है। भारतीय समाज अब भी स्त्रियों को मान्य रूप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। बड़ा वर्ग अब भी स्त्री को अबला और भोग का माध्यम ही मानता है। स्त्री उत्थान के विमर्श के लिए यह समझना जरूरी है कि हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति और सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तीकरण के लिए जो भी नियम, कानून बने हैं, वे सब पश्चिम से प्रभावित हैं। ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है। इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी, जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और स्वतंत्र विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ हो।। जल संरक्षण के मुद्दे पर अब जागरूकता से आगे बढ़ने का समय आ चुका है। हमारे पुरखे जल आपूर्ति के लिए जल विभाग या जल मंत्रालयों पर निर्भर नहीं थे।

पूर्वजों द्वारा पेयजल संग्रहण की सदियों पुरानी उत्तम पद्धति बावड़ियां और कुएं आज भी मौजूद हैं। इन पारंपरिक जल स्रोतों के गुणवत्तायुक्त शुद्ध पेयजल का आज भी कोई विकल्प नहीं है। इनके जरिये हर गांव में जलतंत्र विकसित करके पूर्वजों ने अनूठी मिसाल कायम की थी। इन्सानों के अलावा जीव-जंतु और पशु-पक्षी की प्यास भी इन्हीं जल संसाधनों पर आकर मिटती थी। ग्रामीण संस्कृति से गहरा नाता रखने वाले पारंपरिक जल स्रोतों की कृषि अर्थ तंत्र को समृद्ध करने में भी मुख्य भूमिका रही है।

कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन भी जलाशयों के तटों पर होता आया है। मगर विडंबना है कि आज खनन माफिया, उद्योगों और आग उगल रही फैक्टरियों से उत्पन्न जहरनुमा प्रदूषण से नदियों तथा प्राकृतिक जल स्रोतों का पानी दूषित हो चुका है। सरकारी हैंडपंप और पेयजल परियोजनाएं दम तोड़ रही हैं। इसलिए जल प्रबंधन की परिपाटी के उच्च स्तर, धार्मिक गौरव और आध्यात्मिक महत्व को समेटे इन जल स्रोतों का अस्तित्व बचाना होगा। इसके लिए हमें भी जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकारें जल बचाने के लिए कोई पहल करती हैं तो हमें उसमें सहभागित करने की जरूरत है। यह हमारी व्यक्तिगत जरूरत भी है।

महाशक्ति बनने की ओर बढ़ते भारत को प्रतिभा के पलायन को लेकर गंभीरता से सोचने और काम करने की जरूरत है। यह बेहद चिंता का विषय है। भारत से लगातार बौद्धिक वर्ग का पालयन पश्चिमी देशों की तरफ हो रहा है। वह वहां के विकास में

सहायक बनकर देश का नाम ऊंचा कर रहा है, लेकिन हमें तकनीकी और आर्थिक मोर्चे पर आगे बढ़ना है तो गंभीरता से विचार करना होगा। इसमें जाने वालों का बिल्कुल भी दोष नहीं है। हम अपने सुशिक्षित वर्ग को आगे बढ़ाने में सहायक होने के बजाय अलग-अलग तरह की बाधाएं पैदा कर उनकी मेहनत पर पानी फेर देते हैं। उस स्थिति में यह वर्ग देश से पलायन का रास्ता अपनाता है और यह सिलसिला लगातार जारी है। इस वर्ग को कोई संरक्षण नहीं मिल रहा है। इससे योग्यता के मापदंड पीछे छूट जाते हैं। नौकरी के साथ भारत में अब उच्च शिक्षा के लिए भी पलायन बढ़ रहा है। यह और भी चिंताजनक है। जो बच्चे विदेशों में पढ़ाई करेंगे, जाहिर सी बात है कि उनमें से ज्यादातर नौकरी भी वहीं पर करेंगे। इसके अलावा हमारे देश में हर स्तर पर राजनीतिक दखलअंदाजी भी इसका बड़ा कारण है। देश में बड़ा मुकाम पाने के लिए आपको राजनीतिक शह की जरूरत होती है। इसके बिना आपका बहुत आगे बढ़ पाना आसान नहीं है, चाहे बात प्रशासन की हो या उच्च शिक्षा की। ऐसे में प्रतिभावान युवा कार्य संस्कृति के मामले में हमसे बेहतर पश्चिमी देशों का रुख कर रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत स्कीम नंबर 140 में शिविर, महापौर ने नागरिकों से किया सीधा संवाद

इंदौर। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शहर के प्रत्येक वार्ड में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में झोन क्रमांक 19 के अंतर्गत स्कीम नंबर 140 स्थित जोनल कार्यालय परिसर में संकल्प से समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान महापौर ने उपस्थित नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विधायक श्री महेंद्र हडिया, पार्षद श्री प्रणव मंडल, श्री राजीव जैन, श्री महेश बसवाल, झोनल अधिकारी श्री धीरेंद्र बायस सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिविर के दौरान महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं घरेलू कामकाजी महिला योजना के पात्र हितग्राहियों से चर्चा की। उन्होंने हितग्राहियों से यह भी पूछा कि वे पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण का उपयोग किस प्रकार के व्यापार या रोजगार में करेंगे तथा ऋण राशि के सही और उद्देश्यपूर्ण उपयोग के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया।

महापौर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की दूरदर्शी सोच के अनुरूप केंद्र एवं राज्य शासन की 105 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाएं गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के हित में संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने और नगर निगम से जुड़ी समस्याओं का समाधान लोगों के घर के नजदीक करने के उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। नगर निगम से संबंधित राजस्व प्रविष्टियों में सुधार, जलकर एवं संपत्ति कर से जुड़ी समस्याएं, तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों का निराकरण पारदर्शिता और सरल प्रक्रिया के साथ किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के जरिए शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जो शहर के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैंक कर्मचारी ने खुद को गोली मारी, घर खाली कराने आई थी टीम

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिनर्जी अस्पताल के पास सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक को-ऑपरेटिव बैंक में कार्यरत कर्मचारी हेमंत ब्रह्मवंशी ने अपनी ही लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना शाम करीब साढ़े 5 बजे की बताई जा रही है जब वह अपने घर के कमरे में अकेला था। मिली जानकारी के अनुसार हेमंत ने अपने मकान को गिरवी रखकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ढाई करोड़ रुपये का बड़ा कर्ज ले रखा था। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ साल से वह बैंक की किश्तें चुकाने में असमर्थ थे। लंबे समय तक राशि जमा न होने के कारण बैंक की ओर से बार-बार नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन हेमंत की ओर से उनका कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था। सोमवार को बैंक की एक टीम कानूनी प्रक्रिया के तहत मकान खाली कराने के लिए हेमंत के निवास पर पहुंची थी।

जिस समय बैंक के कर्मचारी घर की पहली मंजिल पर खड़े होकर जब्ती और खाली करने की लिखा-पढ़ी की औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे, उसी वक्त हेमंत ने नीचे अपने कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। अचानक हुई गोली चलने की आवाज से घर और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। डिप्रेशन का चल रहा था इलाज विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हेमंत पिछले काफी समय से भारी कर्ज के कारण मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे। उनके बड़े बेटे ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उनका मानसिक उपचार चल रहा था। मृतक के परिवार में उनकी वृद्ध मां, दो बेटे और एक बेटी है, जिनका इस घटना के बाद रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने आकांक्षी विकासखंड झिरन्या एवं भगवानपुरा की समीक्षा की

खरगोन। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में गत दिवस ख्आकांक्षी विकासखंड झिरन्या और भगवानपुरा में संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत खरगोन श्रीमती रेखा राठौर सहित संबंधित समस्त जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। तकनीकी सहायक श्री नीरज अमझरे द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत चिन्हित 6 प्रमुख मुख्य केपीआई (की परमॉरमेंस इंडिकेटर्स) संकेतकों की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने हेतु विभागवार निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा तथा कृषि से संबंधित 6 संकेतकों में पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करना है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान अवधि में 6 माह से 6 वर्ष तक के समस्त पंजीकृत बच्चों को शत-प्रतिशत नियमित रूप से टेक होम राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही टेक होम राशन की समय पर आपूर्ति, परिवहन एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित उपलब्धता, विशेष रूप से दोनों आकांक्षी विकासखंडों में सुनिश्चित की जाए।

इंदौर की नई रिंग रोड में आ रही 25 गांवों की जमीन, अधिग्रहण में देरी से शुरू नहीं हो पाया काम

इंदौर। इंदौर के पश्चिमी बायपास का निर्माण अभी भी शुरू नहीं हो पाया है, जबकि निर्माण की मंजूरी केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तीन साल पहले की थी। 70 किलोमीटर लंबी इस सड़क में 25 गांवों की जमीन का अधिग्रहण होना है, लेकिन अभी तक पांच गांवों की जमीन भी प्रशासन अधिगृहित कर पाया है और अधिग्रहण प्रक्रिया में हो रही देरी के कारण इस रिंग रोड के काम का मुर्हूत नहीं निकल पा रहा है,जबकि इस सड़क का निर्माण सिंहस्थ से पहले होना है, ताकि दूसरे राज्यों से आने वाले ट्रैफिक को उज्जैन जाने में परेशानी न हो पाए। यह सड़क डकाच्या गांव से महू और पीथमपुर को जोड़ेगी इसके निर्माण से महू, पीथमपुर और देवास के ग्रामीण क्षेत्र इंदौर के और करीब आ जाएंगे और मार्ग के आसपास बसाहट शुरू हो जाएगी। 70 किलोमीटर मार्ग के निर्माण पर चार हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस सड़क में1131 हेक्टेयर जमीन अधिगृहित होना है। इसमें 40 हेक्टेयर वन विभाग की जमीन है। पूर्वी बायपास 38 गांवों से होकर गुजरेगा। यह छहलेन बनेगा। दस साल पहले भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नए पूर्वी बायपास का सर्वे किया था, लेकिन बाद में पुराने बायपास को ही चार लेन से छहलेन करने का काम शुरू हो गया था और नए बायपास के निर्माण की योजना ठंडे बस्ते में चली गई थी।

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि जितनी जमीन मिल चुकी है, वहां बायपास निर्माण शुरू करने के लिए अफसरों को कहा गया है। इस बायपास के बनने से देवास, महू, पीथमपुर को भी फायदा होगा।

ट्रैफिक का दबाव कम होगा

- रियल इस्टेट मार्केट में तेजी आएगी। नई टाउनशिप और उद्योग खुल सकेंगे।
- सड़क के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का व्यवस्थित विकास होगा। मास्टर प्लान की आंतरिक सड़कें बनेगी।
- दिल्ली और मुबंई की तरफ जाने वाले वाहन इंदौर के बजाए सीधे बायपास से देवास और मानपुर की तरफ जा सकेंगे।
-वर्तमान पूर्वी बायपास पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। हादसों पर भी रोक लगेगी।

महिला ने पुलिस कमिश्नर को भेजा वीडियो, स्मैक बेचने वाले पति को कराया गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज में रहने वाली एक महिला ने हिम्मत दिखाते हुए अपने पति को गिरफ्तार करवाया, क्योंकि वह स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को नशा बेचता था। महिला ने घर पर रखे नशे के सामान का वीडियो बनाया और उसे पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह को भेजा। इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर महालक्ष्मी नगर से महिला के पति बुद्ध किरण भिड़े को गिरफ्तार कर लिया। वहां वह पान की दुकान संचालित करता है।

महिला ने वीडियो में बताया कि किस तरह उसका पति गांजा और स्मैक बाहर से मंगवाता है और उसे पान की दुकान पर रखकर स्कूल-कॉलेज में आने वाले विद्यार्थियों को बेचता है। घर पर रखा गांजा भी वीडियो में महिला ने दिखाया। इसके बाद पुलिस ने महालक्ष्मी नगर की दुकान पर छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे मल्हारगंज स्थित निवास पर ले गई और वहां रखा गांजा जब्त किया।

महिला ने बताया कि उसका पति घर पर नशे की पुड़िया बनाता था। इसके लिए उसने तराजू भी रखा था। दोनों बेटियां भी उसे यह करते हुए देखती थीं। महिला ने कहा कि वह अपनी बेटियों का भविष्य बर्बाद नहीं करना चाहती थी।

नशे का काम देखकर उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इसका विरोध किया तो पति ने महिला के साथ मारपीट की। इसके बाद महिला ने वकील कृष्णकुमार कुन्हारे व रूपाली राठौर के माध्यम से पुलिस कमिश्नर तक बात पहुंचाई। कुन्हारे ने बताया कि आरोपी ने पांच दिन पहले महिला के साथ मारपीट की थी। उसके चेहरे पर पांच टांके आए थे। इसकी शिकायत भी पुलिस को की गई थी। तब भी पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था, लेकिन गांजा जब्त नहीं किया था।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, चार्टर्ड बस ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार

इंदौर। शिप्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मांगलिया टोल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है जहां चार्टर्ड बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की जान चली गई। पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार एमआईजी क्षेत्र के निवासी संतोष कुशवाह अपनी पत्नी कपूरीबाई के साथ एक्टिवा स्कूटर पर सवार होकर देवास से इंदौर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही चार्टर्ड बस क्रमांक स्क्र3-क्र7-290 ने उन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया और टक्कर मार दी। इस भीषण भिड़ंत के कारण दंपति सड़क पर गिर पड़े और बस का पहिया संतोष के सिर के ऊपर से गुजर गया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

मृतक के भाई अंकित ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पूरा परिवार एक शादी समारोह में सम्मिलित होकर वापस लौट रहा था। अंकित अपनी मोटरसाइकिल से संतोष की एक्टिवा के पीछे ही चल रहे थे। उन्होंने देखा कि तेज रफ्तार बस ने पहले उनकी बाइक को ओवरटेक किया और फिर आगे जाकर संतोष के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बस और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल कपूरीबाई को उपचार के लिए अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी स्थिति पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं। मृतक संतोष निजी कार्य करते थे और अपने पीछे दो बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। सड़क दुर्घटना का एक अन्य मामला एबी रोड पर घटित हुआ जहां खरगोन जिले के ग्राम बकानेर से आए एक किसान की मौत हो गई। बाबूलाल कटारे नामक यह किसान अपनी छोटी बेटी के लिए विवाह का रिश्ता लेकर भैसलाय गांव आए थे। कार्य पूर्ण कर लौटते समय एक अज्ञात कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल निजी अस्पताल और फिर वहां से एमवाय अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। खेती-किसानी करने वाले बाबूलाल के परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला संपन्न

खरगोन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के जिला प्रशिक्षण केंद्र पुराना अस्पताल परिसर खरगोन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलतसिंह चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरिश्चंद्र आर्य, सोनल गुजर तथा समस्त बी.एम.ओ., बीईई, बीपीएम, बीसीएम की उपस्थिति रहे। दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन 17 फरवरी से 19 मार्च 2026 के मध्य तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम में 09 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को निर्धारित मात्रा में विटामिन-ए का घोल एवं नियमित टीकाकरण सत्रों में समस्त छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण, वृद्धि निगरानी, मातृ एवं टीकाकरण कार्ड में विटामिन-ए अनुपूरण की प्रविष्टि करना आदि कार्य संचालित किए जाएंगे।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. धीरेंद्र सोनी द्वारा दस्तक अभियान की विस्तृत रणनीति एवं कार्ययोजना के बारे में उपस्थित सभी शासकीय सेवकों को अवगत कराया गया। साथ ही विटामिन-ए दवाई देने के मानकों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। एमएनडी श्री अरविंद वर्मा द्वारा दस्तक अभियान से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं वर्तमान में शिशु स्वास्थ्य में जिले की स्थिति को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत रूप से अवगत कराया। प्रत्येक ग्राम में नियमित टीकाकरण एवं वीएसएचएनडी के दौरान ए.एन.एम. द्वारा 9 माह से 5 वर्ष तक उम्र के बच्चों को आयु अनुरूप विटामिन-ए घोल की खुराक पिलाई जाएगी।

छूटे हुए शेष बच्चों को विटामिन-ए घोल की आयु-उपयुक्त खुराक नियमित टीकाकरण के अगले दिन मॉप-अप दिवस में घर-घर जाकर अथवा आंगनवाड़ी केंद्र में एकत्र कर ए.एन.एम. द्वारा पिलाई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चौहान ने बताया कि यह अभियान 0 से 5 वर्ष की उम्र तक के बच्चों में कुपोषण कम करने, जन्म के समय वजन कम हो, दस्त रोग एवं श्वसन तंत्र के संक्रमण से बचाव एवं टीके से वंचित बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

जिला आपदा प्रबंधन क्षमता वृद्धि कार्यशाला का आयोजन

झाबुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला आपदा प्रबंधन क्षमता वृद्धि कार्यशाला (अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटना से बचाव तकनीक) का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कलेक्टर नेहा मीना द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि आपदा प्रबंधन एक सतत एवं समन्वित प्रक्रिया है, जिसमें चार प्रमुख चरण शामिल होते हैं मिटिगेशन, प्रिपेयर्डनेस, रिस्पॉन्स एवं रिकवरी। इन सभी चरणों की स्पष्ट समझ एवं प्रभावी क्रियान्वयन से ही किसी भी आपदा के दुष्प्रभावों को न्यूनतम किया जा सकता है।

कलेक्टर ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है, ताकि वे आगे चलकर कॉलेजों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, विशेषकर अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटनाओं से बचाव की तकनीकों का प्रशिक्षण दे सकें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे कार्यशाला को गंभीरता से समझें तथा आगामी 20 तारीख को आयोजित होने वाले डिमॉन्स्ट्रेशन के दौरान सभी प्रक्रियाओं को व्यवहारिक रूप से आत्मसात करें।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आपदा से जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। प्रतिभागी अपने सुझाव साझा करें तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप व्यवहारिक उपाय प्रस्तुत करें, जिससे प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि आगामी दो माह के भीतर डिसेंट्रलाइज्ड रूप से कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक आपदा प्रबंधन की जानकारी पहुँचाई जा सके। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक मॉक ड्रिल आयोजित करने पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया ने कहा कि प्रतिभागी कार्यशाला को ध्यानपूर्वक समझें, देखें और सीखें। उन्होंने बताया कि फील्ड में किसी भी आपात स्थिति में फर्स्ट रिस्पॉन्डर सबसे पहले मौके पर पहुँचते हैं, ऐसे में उन्हें यह स्पष्ट रूप से ज्ञात होना चाहिए कि उस समय क्या करना है और किन सावधानियों का पालन करना है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वास्तविक परिस्थितियों में सुरक्षित, त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने कहा कि अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन में कलेक्टर की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से फायर कर्मियों एवं फर्स्ट रिस्पॉन्डर को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि आपदा की प्रारंभिक अवस्था में ही आग पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

जिला कमांडेंट द्वारा आग के प्रकार (क्लासिफिकेशन), आग बुझाने के सिद्धांत तथा अग्निशमन यंत्रों के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आग को प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रित कर उसे बड़ी घटना में परिवर्तित होने से रोकने के उपायों का प्रशिक्षण एवं डेमोंस्ट्रेशन दिया गया। एलपीजी में लगी आग को सुरक्षित रूप से बुझाने के तरीकों की भी जानकारी दी गई।

चीफ वार्डन सिविल डिफेंस श्री धुजेंद्र व्यास द्वारा धुएँ से भरे कमरे से फँसे हुए व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने की विधियों तथा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। डिप्टी जीएम गेल इंडिया लिमिटेड श्री अमित देवास्कर द्वारा पाइपलाइन सेफ्टी से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले,एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, नगर परिषदों की फायर टीम तथा जन अभियान परिषद से जुड़े प्रतिभागी उपस्थित रहे।

ये सीमेंट की फैक्ट्री..., पाकिस्तानी टीम की हुई भयंकर बेइज्जती; कोलंबो में खिलाड़ियों का हुआ मजदूरों जैसा हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को लेकर इस समय एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें पाकिस्तानी खिलाड़ी अभ्यास करने के लिए जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, उन्हें जिस तरह की सुविधा प्रैक्टिस के लिए दी गई है, वो हैरान करने वाला है। पाकिस्तान की टीम या फिर खिलाड़ी अकसर कुछ ऐसा करते हैं, जो सोशल मीडिया पर फैंस के मनोरंज का विषय बन जाता है और इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत आने से इनकार कर दिया गया था। इसके बाद उनके सभी मुकाबले श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, अब उनके अभ्यास करने के लिए जाने का या फिर प्रैक्टिस से वापस आने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। फैंस अब पाक टीम का मजाक उड़ा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि पाकिस्तान टीम के खिलाड़ी किसी फैक्ट्री के सामने या पीछे से निकल रहे हैं। वीडियो देखकर फैंस दावा कर रहे हैं कि ये पाकिस्तान टीम को आईसीसी और श्रीलंका द्वारा दी गई सुविधा है। ऐसा लग रहा है कि खिलाड़ी सीमेंट की फैक्ट्री से बाहर निकल रहे हैं। हालांकि, दैनिक जागरण इस बात की पुष्टि नहीं करता है कि ये वीडियो अभ्यास के लिए जाने या फिर आने का है। ये वीडियो होटल का भी हो सकता है।

पाकिस्तान का यूएसए से मुकाबला- पाकिस्तान ने अपने पहले मैच में नीदरलैंड्स को हराया था। इसके बाद अब उनका दूसरा मुकाबला यूएसए के खिलाफ 10 फरवरी को होना है। पाकिस्तान यूएसए को हल्के में नहीं ले सकता है क्योंकि अमेरिका टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान को सुपर ओवर में शर्मनाक हार थमाई थी। ऐसे में पाक टीम उसका बदला भी लेना चाहेगी।

भारत के खिलाफ मुकाबला- पाकिस्तान ने पहले भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मुकाबले का बहिष्कार करने का फैसला किया था। हालांकि, आईसीसी के साथ बातचीत के बाद पाकिस्तान ने अपने फैसले से टू-टर्न मारा और अब टीम भारत के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

ब्राउन राइस कैसे बनते हैं इसे खाने से कैसे रहता है वेट कंट्रोल

(एजेंसी)। आपने कई जगह सुना और पढ़ा होगा कि वाइट राइस की जगह ब्राउन राइस न सिर्फ वेट कंट्रोल रखते हैं बल्कि इसे खाने से आपको कई फायदे मिलते हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल उठता है कि आखिर ब्राउन राइस क्या होते हैं और ये कैसे बनते हैं?

ब्राउन राइस और सफेद चावल में क्या अंतर है

ब्राउन राइस और सफेद चावल में क्या अंतर है। दरअसल ब्राउन राइस का भूसा नहीं उतारा जाता, जिससे इसके पोषक तत्व साबुत अनाज जितने ही रहते हैं। सफेद चावल का भूसा उतार कर उसे प्रोसेसिंग करके सफेद पॉलिश युक्त कर दिया जाता है। इस प्रोसेसिंग के दौरान चावल में मौजूद कई पोषक तत्व कम हो जाते हैं। हालांकि ब्राउन राइस को इसके स्वाद, पकने में ज्यादा समय लेने और ज्यादा समय तक न रख पाने की वजह से भारत में अकसर लोग इसे लेना पसंद नहीं करते, लेकिन अब बेहतर तकनीक की मदद से ब्राउन राइस को ज्यादा समय तक रखा जा सकता है। इसका स्वाद भी अब काफी लोगों को पसंद आने लगा है। ब्राउन राइस में भी नॉन बासमती फायदेमंद है। इसके दाने का आकार छोटा और जीआई (ग्लाइसेमिक इंडेक्स) कम होता है।

ब्राउन राइस खाने के फायदे

मोटापा कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज के खतरे को कम करता है।

हड्डियों में मैग्नीशियम की कमी को पूरा करता है।

पेट संबंधी विकारों से बचाव में मददगार साबित होता है।

जीआई कम होने के कारण पेट भरा हुआ महसूस होता है।

ज्यादा फाइबर से पेट जल्दी भर जाता है।

सचिन तेंदुलकर, अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव का दिखा नया अवतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा एक टीवी अभियान में साथ में दिखाई दिए हैं। टी20 वर्ल्ड कप की स्पॉन्सर डीपी वर्ल्ड ने विश्व कप के लिए एक नया टीवी अभियान गो बियॉन्ड लॉन्च किया है, जिसमें ये तीनों दिग्गज साथ में दिखाई दे रहे हैं। इसके माध्यम से ये दिखाने की कोशिश की गई है कि क्रिकेट और लॉजिस्टिक्स के बीच क्या समानताएं हैं।

डीपी वर्ल्ड कप की मीडिया रिलीज के मुताबिक ये फिल्म पिछले मानकों से लगातार आगे बढ़ने की चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने को दर्शाती है। सचिन अपने 100 शतकों के रिकॉर्ड टूटने की बात करते हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव पहले से अधिक आक्रामक बैटिंग की बात करते हैं। अभिषेक शर्मा पॉवरप्ले में धुंआधार बैटिंग की सलाह देते हैं। सचिन तेंदुलकर का बयान

डीपी वर्ल्ड के ब्रांड एंबेस्डर सचिन तेंदुलकर ने कहा, मैं डीपी वर्ल्ड के इस अभियान में शामिल होकर बहुत खुश हूं। ये अभियान दर्शाता है कि लॉजिस्टिक्स और क्रिकेट दोनों में ही सफलता पाने के लिए सभी सीमाओं को तोड़ना पड़ता है। यही नहीं पिछली उपलब्धियों से आगे बढ़ना भी जरूरी होता है। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 सुपरस्टार क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को अपनी विरासत बनाने के लिए मंच प्रदान करता है।

मुझे विश्वास है कि ये अभियान फैंस को संभावनाओं की सीमाओं को पार करने के लिए प्रेरित करेगा। अभिषेक शर्मा ने कहा, मैं आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं गेंदबाजों पर शुरु से ही हावी होना चाहता हूं और शुरुआत में ही गेंदबाजों की लय बिगाड़ना चाहता हूं। मैं शुरु से ही तेजी से रन बनाने के लिए जाता हूं। मुझे भारत की जर्सी पहनने वाले तमाम महान खिलाड़ियों से प्रेरणा मिली है लेकिन अब मेरा समय है। हम फैंस को ये दिखाना चाहते हैं कि हम केवल अतीत की उपलब्धियों पर ही निर्भर नहीं रहते हैं बल्कि उससे आगे भी बढ़ते हैं।

भारत के टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, टी20 वर्ल्ड कप 2026 मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। हमारे पास ये मौका है कि अपने घरेलू मैदान पर अपने प्रशंसकों के सामने वर्ल्ड जीत सकें। इसके अलावा हमें खिताब का बचाव करना है और अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो इतिहास रचने में कामयाब हो जाएंगे। इस खेल को खेलने वाले कई महान खिलाड़ी रहे हैं लेकिन अब हमें आगे बढ़ने का समय है।

डीपी वर्ल्ड को लेकर इस फिल्म की परिकल्पना ओगिल्वी इंडिया, गुरुग्राम ने की है। इस फिल्म के डायरेक्टर फराज अली हैं और इसका प्रोडक्शन क्रेजी आउल फिल्म्स, इंडिया ने किया है। इस अभियान की ये फिल्म 8 मार्च को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल के दौरान टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा।

राशिद खान और मोहम्मद नबी ने लाखों अफगानियों को प्रेरित किया, बशरत बंधु ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएफसी में अफगानिस्तानी फाइटर जाविद और फरीद बशरत का कहना है टी-20 विश्व कप में राशिद खान की कप्तानी वाली अफगान टीम पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करेगी।

अफगानिस्तान टीम 2024 विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। बशरत बंधुओं का कहना है कि इस टीम की जो यात्रा रही है, वे पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा देने वाली है। इस टीम ने न सिर्फ लाखों अफगानिस्तानियों को बल्कि पूरी दुनिया के लोगों को प्रेरित किया है।

यूएफसी में रविवार को जाविद ने जियानी वास्क्वेज को हराया तो फरीद ने जीन मात्सुमोतो को हराकर अपना अपराजेय रिकार्ड बरकरार रखा। भारत में यूएफसी का आधिकारिक प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क है।

इस बार टीम काफी अच्छी है। पिछली बार हम सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन इस बार अफगान टीम चौंका सकती है। जाविद और फरीद ने कहा कि हमारे और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बीच एक समानता है, दोनों को ही अंडरडाग माना जाता था।

चाहे मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) हो या क्रिकेट कुछ वर्षों पहले तक इनमें अफगानिस्तान का नाम कहीं नहीं था। जिस तरह राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, रहमानुल्लाह गुरबाज ने दुनिया को दिखाया कि अफगानिस्तान क्रिकेट क्या है और क्या करने का माद्दा रखता है, उसी तरह यूएफसी की पिंजरे में हमने दिखाया कि अफगान फाइटर क्या कर सकते हैं। हम अफगानिस्तान से पहले एमएमए फाइटर हैं, जो यूएफसी में खेलते हैं। अफगानिस्तान में एमएमए कोई इतिहास नहीं है, लेकिन हमने दिखाया कि हम ये कर भी कर सकते हैं। जाविद और फरीद अफगानिस्तान में पैदा हुए, लेकिन बचपन में ही लंदन आ गए थे। यहां उन्होंने स्कूल में मार्शल आर्ट सीखा, जिससे उन्हें एमएमए में जाने की प्रेरणा मिली।

मनु भाकर ने 25 मीटर पिस्टल इवेंट में जीता सिल्वर, वियतनाम की निशानेबाज ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं, जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला।

महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा, जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की, जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए।

हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाई जिससे अंतर कम हो गया।

आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शाट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज शंभाजी पाटिल की कार दुर्घटना में मौत, सदमे में डूबा भारतीय खेल जगत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज और साल 2016 जूनियर विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता संभाजी पाटिल की सोमवार यानी 9 फरवरी को सड़क हादसे में मौत हो गई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई।

ये घटना करीब सुबह 10 बजे की हुई। अधिकारी ने कहा कि पाटिल शूटिंग अभ्यास के लिए टोयोटा फॉर्च्यूनर कार से जा रहे थे, जिसे उनका दोस्त, जो एक शूटर भी है, चला रहा था।

हादसे में 27 साल के शंभाजी पाटिल की मौत हो गई। इस दुर्घटना का वीडियो सामने आया है, जिसे न्यूज एजेंसी पीटीआई ने जारी किया है। वीडियो में देखा जा रहा है कि हादसा बहुत ही भयावह है।

Sambhaji Patil की कार दुर्घटना में हुई मौत- दरअसल, छत्रपति संभाजी नगर के निवासी, संभाजी पाटिल ड्राइवर की सीट के बगल में बैठे थे, जबकि यश चौधरी गाड़ी चला रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि कार, जो तेज गति से थी, ओवरटेक करने के प्रयास में बाईं ओर से एक ट्रक से टकरा गई। उन्होंने ये भी बताया कि पाटिल को गंभीर चोटें आईं।

मनोर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब चौधरी ने तेज गति से राजमार्ग पर एक लेन बदलने का प्रयास किया और भारी ट्रक को नोटिस करने में विफल रहे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हाई-एंड कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

अधिकारी ने कहा कि पाटिल को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, अधिकारी ने कहा कि घटना में चौधरी घायल हो गए।

बता दें कि पाटिल ने 2016 में अजरबैजान में आयोजित जूनियर विश्व कप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल शूटिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2017 में इसी वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में 23वां स्थान हासिल किया था।

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) की वेबसाइट के अनुसार, पाटिल को शीर्ष निशानेबाज जसपाल राणा ने प्रशिक्षित किया था, जो उनके राष्ट्रीय कोच थे। इसके अलावा पाटिल ने पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेल अधिकारी के रूप में भी काम किया था।

तांबे के बर्तनों का इस तरह से रखें ख्याल, कभी नहीं होंगे खराब

(एजेंसी)। तांबे के बर्तन में खाने के फायदे के बारे में हर कोई जानता है। इसे खाने से आपकी सेहत को कई पोष्क तत्व मिलते हैं। यही वजह है कि पुराने लोग तांबे के बर्तनों में खाना खाते थे। ये बर्तन सेहत के लिए भले ही फायदेमंद क्यों ना हों लेकिन लोग इनको इस्तेमाल करने से बचते हैं। क्योंकि ये बहुत ज्यादा जल्दी काले पड़ जाते हैं। अगर इनका रखरखाव सही तरीके से ना किया जाए तो ये सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। ऐसे में तांबे के बर्तन को साफ करना बहुत जरूरी है। तो चलिए जानते हैं कैसे करें तांबे के बर्तन को साफ। सारे बर्तनों को आप डिशवॉशर से आसानी से साफ कर सकते हैं, लेकिन तांबे के बर्तनों को कभी भी उसमें न धोएं। इसके अलावा ऐसे डिटर्जेंट में न धोएं जिसमें ब्लीच हो।

कई बार आप तांबे के बर्तन को गर्म कर फिर उसमें खाना बनाते हैं। तांबे के बर्तनों के साथ ऐसा ना करें। ऐसे बर्तन जल्दी ही गर्म हो जाते हैं। स्टील के बर्तनों को लोहे के जूने से घिसा जाता है। ऐसे में तांबे के बर्तनों के साथ ऐसा ना करें। ये सॉफ्ट टिन लाइनिंग को बहुत जल्दी खराब कर सकता है। इन बर्तनों में मीट और मछली ना पकाएं। चिकन या चिकन ब्रेस्ट को इसमें पाकाया जा सकता है, लेकिन इसके अलावा कुछ और न पकाएं। उन चीजों को पकाने से बचें जो पकने में ज्यादा समय लगता है।

कब्ज से राहत दिलाने में भी मददगार है यह खट्टा-मीठा फल, यह है आलूबुखारा के सेवन का सही तरीका

(एजेंसी)। देर रात तक पार्टी हो या वेब सीरिज देखना, मज़ा तो आता है। पर इसकी सज़ा आपके पेट को मिलती है गड़बड़ पाचन तंत्र के रूप में। कब्ज, मल त्याग में परेशानी, ब्लॉटिंग और गैस्ट्रिक समस्याएं हमारी खराब जीवनशैली के कारण हैं। पर इन समस्याओं को हेल्दी डाइट से दूर किया जा सकता है। और इसके लिए आपको किसी फैंसी डाइट की जरूरत नहीं है। बस आलूबुखारा को अपने आहार में शामिल करें और फर्क देखें। विभिन्न शोधों में यह सामने आया है कि आलूबुखारा आपकी स्किन के लिए ही नहीं, बल्कि आपके पाचन तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

आलूबुखारा का नाम सुनकर मुंह में पानी आया कि नहीं? यह एक रसदार खट्टा-मीठा मौसमी फल है, जिसे आपने कभी न कभी जरूर खाया होगा। इसे फल के तौर पर खाने से लेकर कई हेल्दी व्यंजन बनाने तक, किसी भी तरह से ग्रहण किया जा सकता है। पर क्या आप जानती हैं कि यह स्वादिष्ट फल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है? खासतौर से अगर आप कब्ज से पीड़ित हैं, तो आलूबुखारा आपकी सुबह आसान बना सकता है। आइए जानते हैं कि कैसे आलूबुखारा पेट से संबंधित विकार जैसे- भूख की कमी, बदहजमी को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है।

सबसे पहले जानते हैं आलूबुखारा में मौजूद पोषक तत्व - कब्ज से निजात दिलाने में उपयोगी आलूबुखारा कई पोषक तत्वों का स्रोत है। आलूबुखारा को सुखाने के बाद यह प्रून के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। प्लम और प्रून दोनों ही पोटेशियम , मैग्नीशियम , फॉस्फोरस जैसे खनिजों से भरपूर हैं। इतना ही नहीं इसमें विटामिन ए , विटामिन सी , विटामिन बि6 और विटामिन ई जैसे पौष्टिक तत्व भी पाए जाते हैं।

आयुर्वेद में भी बहुत खास है आलूबुखारा- 5000 साल पुरानी भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में भी आलूबुखारा को उसके औषधीय गुणों के कारण खास स्थान दिया गया है। इसका टैक्स्चर कोमल होता है और यह आंतों में चिकनाहट पैदा करता है।

गर्भवती महिलाएं रोजाना कर सकती हैं ये योगा आसन, स्मूद डिलीवरी के लिए है मददगार

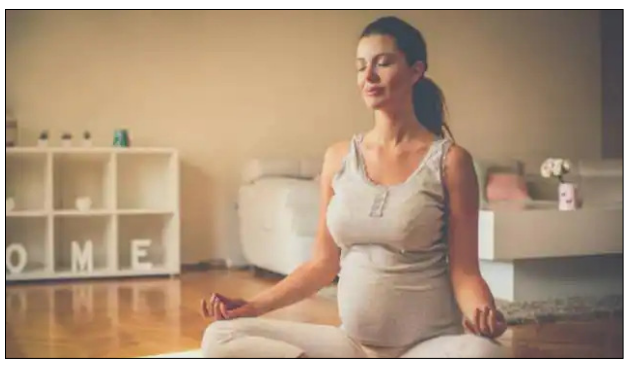

(एजेंसी)। गर्भावस्था के दौरान, महिलाओं को मूड स्विंग, थकान, ऐठन और बीमारी का सामना करना पड़ता है और इन सभी को योग की मदद से आसानी से दूर किया जा सकता है। योग न केवल आपके दिमाग को आराम देता है, बल्कि गर्भवती महिलाओं के लिए इसके कई फायदे भी हैं जिनके बारे में हम नहीं जानते हैं। प्रसवपूर्व योग सबसे अविश्वसनीय काम करता है, यह आपको सामान्य प्रसव में मदद करता है साथ ही आपको अपने अजन्मे बच्चे के साथ एक बंधन और रिलेशन स्थापित करने की अनुमति देता है। हालांकि हर गर्भवती महिला को किसी एक्सपर्ट की देख रेख और डॉक्टर के सुझाव पर ही योग आसन करने चाहिए।

बटरफ्लाई आसन

इसको करने से प्रजनन अंग मजबूत होते हैं, साथ ही उलटी के मन से छुटकारा मिलता है। इसको करने के लिए पैरों को सामने की ओर फैलाते हुए बैठ जाएं और रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। अब घुटनों को मोड़ें और दोनों पैरों को श्रोणि की ओर लाएं, दोनों हाथों से अपने पांव को कस कर पकड़ लें। एड़ी को जननांगों के करीब रखने की कोशिश करें और तितली के पंखों की तरह दोनों पैरों को ऊपर नीचे हिलाना शुरू करें। इसे करते समय सांस लें और छोड़ें।

माउंटेन पोज

माउंटेन पोज हिप्स, हैमस्ट्रिंग और ग्रोइन मसल्स को स्ट्रेच करने में मदद करता है। साथ ही यह तनाव और पीठ दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है। यह योग मुद्रा गर्भावस्था के दौरान पाचन में सुधार करने में भी मदद करता है। क्रास टांगों के साथ चटाई पर सीधे बैठ जाएं। अपनी बाहों को ऊपर उठाएं और अपनी हथेलियों को नमस्ते की स्थिति में मिला लें।

अड़ गया हमास... हथियार डालने से किया इनकार; सीजफायर के बीच नया ऑफर, क्या करेंगे ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में जारी युद्धविराम और इजरायल के कब्जे के बीच हमास ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि निरस्त्रीकरण कोई विकल्प नहीं है। हमास के विदेशी राजनीतिक नेता खालिद मशाल ने दोहा में अल जजीरा फोरम में बोलते हुए निरस्त्रीकरण की मांगों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कब्जे के दौर में हथियार छोड़ना फिलिस्तीनियों को इजरायल के लिए %आसान शिकार% बना देगा। मशाल ने प्रतिरोध को %राष्ट्रों का अधिकार% बताते हुए जोर दिया कि जब तक कब्जा रहेगा, प्रतिरोध जारी रहेगा। मशाल का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इजरायल गाजा में हमास के व्यापक निरस्त्रीकरण पर जोर दे रहे हैं, लेकिन हमास लंबे युद्धविराम (5-10 साल) का प्रस्ताव रखकर हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन से परहेज करने की बात कर रहा है।

खालिद मशाल ने कहा कि अभी हमारे लोग उनके (इजरायल) कब्जे के अधीन हैं, ऐसे में निरस्त्रीकरण की बात करना हमारे लोगों को इजरायल द्वारा आसानी से खत्म किए जाने और नष्ट करने का प्रयास है, जो सभी अंतरराष्ट्रीय हथियारों से लैस है। उन्होंने आगे कहा कि यदि इस मुद्दे पर बात करनी है, तो पहले ऐसा माहौल बनाना जरूरी है जिसमें पुनर्निर्माण और राहत कार्य हो सकें तथा गाजा और जायोनी सत्ता के बीच युद्ध दोबारा न भड़के। हमास ने कतर, तुर्की और मिस्र जैसे मध्यस्थों के माध्यम से तथा अमेरिकियों के साथ अप्रत्यक्ष संवाद के जरिए इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है या सहमति बना ली है। लेकिन इसके लिए बहुत प्रयासों की जरूरत है, निरस्त्रीकरण के दृष्टिकोण की नहीं। मशाल ने कहा कि समस्या यह नहीं है कि हमास और गाजा में प्रतिरोधक बल कोई गारंटी नहीं देते; समस्या इजरायल है, जो फिलिस्तीनी हथियार छीनकर उन्हें मिलिशिया के हाथों में सौंपकर अराजकता फैलाना चाहता है। इस दौरान मशाल ने हमास द्वारा अपने सैन्य विंग को भंग करने के बजाय लंबे समय तक शांति बनाए रखने के प्रस्तावों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि हमास ने 5 से 7 या 10 साल के लिए युद्धविराम का प्रस्ताव रखा है। यह हथियारों के इस्तेमाल न करने की गारंटी है। मध्यस्थ राष्ट्र, जिनके हमास के साथ गहरे संबंध हैं, इसकी गारंटी दे सकते हैं।

दरअसल, पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास के %व्यापक% निरस्त्रीकरण को लक्ष्य बनाया था और ऐसा न करने पर फिलिस्तीनी समूह को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। दूसरी ओर हमास ने उस वक्त भी साफ-साफ कहा था कि जब तक इजरायल गाजा पर अपना कब्जा बनाए रखेगा, हमास हथियार छोड़ने से इनकार करता रहेगा। पिछले साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण में वाशिंगटन का कहना है कि वह हमास के निरस्त्रीकरण और एक अंतरराष्ट्रीय शांति सेना की तैनाती जैसे मुद्दों पर विचार करेगा।

दूसरी ओर युद्धविराम के बीच इजरायल गाजा में लगभग हर दिन हमला कर रहा है। उसने पूर्वी गाजा में तथाकथित %पीली रेखा% (ड्ढद्गद्यद्यश्2 द्यद्बठ्ठद्ग) से पीछे हटने से अभी तक इनकार कर दिया है, जो एक अनौपचारिक सीमा है और गाजा पट्टी के आधे से अधिक हिस्से को, जो अभी भी इजरायली सैन्य नियंत्रण में है, शेष पट्टी से अलग करती है। रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम शुरू होने के बाद से इजरायली हमले में 576 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है, जबकि 1543 घायल हैं, जिनका स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

क्या वोडाफोन आइडिया के शेयरों में आने वाली है और बड़ी तेजी? खुले बाजार से खुद मालिक ने खरीदे 45000 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयर आज के कारोबारी सत्र में 5 फीसदी तक चढ़ गए। कंपनी के स्टॉक्स में यह तेजी उस खबर के बाद सामने आई जब पता चला है कि प्रमोटर कुमार मंगलम बिरला ने ओपन मार्केट से कंपनी में अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है। इसके अलावा, एमके ग्लोबल ने स्टॉक की रेटिंग को 'SELL' से बढ़ाकर 'UPGRADE' कर दिया और टारगेट प्राइस को दोगुना कर दिया है।

कंपनी के शेयरों ने 11.66 रुपये का हाई लगाया है, जो इस साल 9 जनवरी के बाद का उच्च स्तर है। सुबह वोडाफोन आइडिया के शेयर 11.30 रुपये पर खुले और फिलहाल 4.14 फीसदी की तेजी के साथ 11.58 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

कुमार मंगलम बिरला ने कितने शेयर खरीदे- CNBC-TV18 की एक रिपोर्ट में मार्केट डाटा के अनुसार, कुमार मंगलम बिरला ने 30 जनवरी को 2.21 करोड़ शेयर और 1 फरवरी को 1.88 करोड़ शेयर खरीदे। दो दिनों में खरीदे गए कुल 4.09 करोड़ शेयरों का मूल्य लगभग 45,481 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

उधर, 31 दिसंबर, 2025 तक कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, कुमार मंगलम बिरला के पास कंपनी में 0.02 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास सामूहिक रूप से दूरसंचार कंपनी में 25.57 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शेष 74.43 प्रतिशत हिस्सेदारी आम जनता के पास थी।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों पर टारगेट- एमके ग्लोबल ने वोडाफोन आइडिया के शेयरों को 'SELL' से 'ADD' की कैटेगरी में अपग्रेड किया है और टारगेट प्राइस को पहले के 6 रुपये प्रति शेयर से बढ़ाकर 12 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। आनंद राठी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज में इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर, जिगर एस पटेल ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया के शेयरों के लिए 10.40 रुपये का स्तर अहम सपोर्ट है जबकि 11.77 रुपये पर बड़ा रेजिस्टेंस है।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों का रिटर्न- वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने पिछले 5 दिनों में साढ़े 6 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है, जबकि 6 महीने में यह स्टॉक 75 फीसदी चढ़ गया है। वहीं, पिछले एक साल में यह शेयर 27 प्रतिशत भागा है।

तत्काल मिलेगा PF का पैसा, अगले महीने EPFO लॉन्च कर सकता है UPI बेस्ड नया एप, UMANG से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। EPFO में पैसा जमा करने वाले करोड़ों कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर आई है। दरअसल, केंद्र सरकार मार्च के अंत तक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च कर सकती है, जिससे यूजर्स यूपीआई के जरिए से प्रोविडेंट फंड की रकम निकाल सकेंगे। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है, जिसमें 2 सीनियर सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

ईपीएफओ का नया ऐप, उमंग ऐप से अलग होगा और यूजर के बैंक खाते से जुड़ा होगा। यह भीम ऐप और अन्य यूपीआई ऐप्स से भी जुड़ा होगा। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया, ÷इससे ईपीएफओ के ग्राहकों को ईपीएफओ में जमा रकम को अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करने की सुविधा मिलेगी... और फिर यूपीआई के माध्यम से निकासी की जा सकेगी।

ऐप की टेस्टिंग पूरी

अधिकारियों के अनुसार, ऐप की टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और यह सुविधा मार्च के आखिरी तक शुरू कर दी जाएगी। अधिकारी ने बताया, ग्राहक अपने बैंक खातों में जमा ईपीएफओ बैलेंस का 75 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे। नियमों के अनुसार, ग्राहक के खाते में ईपीएफ राशि का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा रहना अनिवार्य है। सदस्य अनिवार्य न्यूनतम राशि बनाए रखते हुए अपने ईपीएफ कोष का 75 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं। देश में वर्तमान में ईपीएफओ के लगभग 3 करोड़ ग्राहक हैं।

PAX Silica क्या है, अमेरिका क्यों शामिल करना चाहता है भारत को इसमें; ये है ट्रंप का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए बेहद खुशी है। वह जल्द ही भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। नई दिल्ली के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति है।

अमेरिकी विदेश उप मंत्री (अर्थशास्त्र मामले) जैकब हेलबर्ग ने मानव प्रतिभा की विशालता के मामले में कहा कि भारत शायद पृथ्वी पर एकमात्र ऐसा देश है जो युवा, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित प्रतिभा की मात्रा के मामले में चीन को टक्कर दे सकता है।

पैक्स सिलिका में शामिल होगा भारत- अमेरिकी विदेश उप मंत्री (अर्थशास्त्र मामले) जैकब हेलबर्ग ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, हम भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने पर बहुत उत्साहित हैं और मैं अगले कुछ हफ्तों में भारत सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर के लिए भारत की यात्रा करूंगा।

अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में पैक्स सिलिका लॉन्च किया, जो एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार संचालित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है, जिसमें महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत निर्माण, सेमीकंडक्टर्स, एआइ अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं।

पैक्स सिलिका में शामिल देश- पैक्स सिलिका पहल के हस्ताक्षरकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत को पैक्स सिलिका पहल के प्रारंभिक समूह में शामिल नहीं किया गया था।

हेलबर्ग ने कहा, पैक्स सिलिका दिसंबर में लॉन्च किया गया था, जनवरी तक अमेरिका ने भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने के बारे में विचार-विमर्श कर लिया था। इसलिए हम भारत के साथ अपने साझेदारों के साथ चीजों के सकारात्मक दिशा में बढ़ने की गति से बहुत खुश हैं।

भारत-अमेरिका के बीच अच्छे संबंध- हेलबर्ग ने आगे कहा, भारत में बड़े पैमाने पर खनन और प्रसंस्करण संचालन करता है, जो आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखते हैं। इसलिए हमारे पास भारत के साथ साझेदारी करने के लिए बहुत सा क्षेत्र है।

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मजबूत रिश्तों पर हेलबर्ग ने कहा, हम भारत को बहुत सकारात्मक रूप से देखते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का नरेंद्र मोदी के साथ बेहतर संबंध हैं।

मॉल में जाने पर पाकिस्तान जैसा लगता है, अमेरिकी सांसद ने बढ़ते इस्लामीकरण पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अमेरिकी कानून निर्माता ने टेक्सास राज्य के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के इस्लामीकरण को लेकर गहरी चिंता जताई है। यह कहते हुए कि अमेरिका के स्थानीय मॉल में जाना पाकिस्तान में होने जैसा लगता है, डलास में नहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बढ़ता इस्लामीकरण अमेरिका के मूल स्वरूप को खत्म कर रहा है।

अमेरिकी कांग्रेस के सांसद ब्रैंडन गिल ने शुक्रवार को रियल अमेरिकाज वाइस के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र से लगातार सुनता हूं कि लोग डलास क्षेत्र के इस्लामीकरण को लेकर गहरी और निराशाजनक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। राष्ट्रवादी विचारधारा के कानून निर्माता ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग मस्जिदों के बारे में सुन रहे हैं जो उस भूमि के पास तेजी से बढ़ते जा रहे हैं जिन पर उनके या उनके परिवार का पीढ़ियों से स्वामित्व रहा है।

पूरे के पूरे समुदाय बदल रहे हैं- ब्रैंडन गिल ने कहा, हमारे यहां पूरे के पूरे समुदाय बदल रहे हैं। अब सुनने को मिलता है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग जब अपने स्थानीय माल में जाते हैं और जब चारों ओर देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि आप पाकिस्तान में हैं, अमेरिकी राज्य टेक्सास के डलास में नहीं। यह एक बड़ी समस्या है।

उन्होंने एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, व्यापक इस्लामी प्रवासन उस अमेरिका को मार रहा है जिसे हम जानते हैं और प्यार करते हैं।

गिल टेक्सास के 26वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं। गिल को 2024 में कांग्रेस के लिए चुना गया था और वे हाउस ज्यूडिशियरी, बजट और डोज उपसमिति समेत समेत कई ओवरसाइट समितियों में कार्यरत हैं।

इन समितियों में वह अमेरिकी सीमा की सुरक्षा, जीवन की रक्षा, सरकारी बर्बादी को समाप्त करने और अमेरिका की आर्थिक शक्ति को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उल्लेखनीय है कि गिल अमेरिका के जानेमाने भारतीय अमेरिकी दिनेश ओ डिसूजा के दामाद हैं।

नए इनकम टैक्स नियम आने से बड़े लेनदेन करना होगा आसान, नियमों में पैन नंबर देने को लेकर हुए अहम बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 फरवरी (आईएएनएस)। सरकार की ओर से इनकम टैक्स नियमों का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है, इसमें नए इनकम टैक्स नियम 2026 में कई बड़े बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं।

इन नए नियमों में बैंक में जमा और निकासी, वाहनों की खरीद, होटल बिल और प्रॉपर्टी खरीदने पर पैन नंबर देने से संबंधित नियमों में बदलाव किया गया है।

नए ड्राफ्ट इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, एक साल में किसी व्यक्ति को एक या एक से अधिक खातों में 10 लाख रुपए तक की जमा एवं निकासी करने पर पैन नंबर नहीं देना होगा। मौजूदा समय में किसी भी बैंक में एक दिन में 50,000 रुपए या उससे अधिक की राशि जमा करने पर पैन देना आवश्यक है।

ड्राफ्ट में वाहन खरीदने से जुड़े नियम में भी बदलाव हुआ है और 5 लाख रुपए से ऊपर का वाहन (दोपहिया वाहन को मिलाकर) खरीदने पर पैन नंबर देने को अनिवार्य करना प्रस्तावित किया गया है। मौजूदा समय में किसी भी मूल्य के दोपहिया वाहन के लिए पैन नंबर देना आवश्यक नहीं है, जबकि अन्य कोई भी वाहन खरीदने पर पैन नंबर देना आवश्यक है।

नए इनकम टैक्स नियमों के ड्राफ्ट में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए भी बड़ा बदलाव हुआ है। इसमें होटल और रेस्तरां या फिर बैंकेट हॉल में एक लाख के भुगतान पर पैन नंबर जरूरी नहीं हैं। मौजूदा समय में 50,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर पैन नंबर देना आवश्यक है।

इस ड्राफ्ट में प्रॉपर्टी से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया गया है। प्रस्तावित नियमों में 20 लाख रुपए तक की प्रॉपर्टी खरीदने पर पैन नंबर नहीं देना होगा, जबकि मौजूदा समय में यह सीमा 10 लाख रुपए है।

क्या Meta और Google बच्चों को लगा रहे हैं सोशल मीडिया की लत? US कोर्ट में पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनियों, मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) के खिलाफ अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर अपने ऐप्स को इस तरह डिजाइन किया कि बच्चों को इनकी लत (एडिक्शन) लग जाए। यह मामला भविष्य में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कानूनी मानकों के लिए एक बड़ा मिसाल बन सकता है।

मुकदमे की मुख्य बातें- लॉस एंजिल्स की जूरी के सामने यह ब्लॉकबस्टर ट्रायल इस बात पर एक कानूनी मिसाल कायम कर सकता है कि क्या सोशल मीडिया की बड़ी कंपनियों ने जानबूझकर अपने प्लेटफॉर्म को बच्चों में नशे की लत लगाने के लिए डिज़ाइन किया है। मेटा के चीफ़ मार्क ज़ुकरबर्ग के अगले हफ़्ते स्टैंड पर रहने की संभावना है, और इंस्टाग्राम के बॉस एडम मोसेरी के भी कोर्टरूम में मौजूद रहने की उम्मीद है, जब तक कार्रवाई चलती रहेगी। वकील मार्क लैनियर ने जूरी के सामने दलील दी कि ये कंपनियां सिर्फ ऐप्स नहीं, बल्कि ट्रैप (जाल) बनाती हैं। उन्होंने इसे "A-B-C" के फॉर्मूले से समझाया कि A for Addicting (लत), B for Brains (दिमाग), और C for Children (बच्चे) हैं। वे सिर्फ़ ऐप नहीं बनाते, जाल भी बनाते हैं। मेटा और यूट्यूब डिज़ाइन के हिसाब से नशा करते हैं।

मेटा के वकील पॉल श्मिट ने इन आरोपों को खारिज करते हुए तर्क दिया कि पीड़िता की मानसिक स्थिति के पीछे पारिवारिक समस्याएं और निजी जीवन में होने वाली बुलिंग का जिम्मेदार है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इंस्टाग्राम हटाने से उसकी जिंदगी की अन्य समस्याएं खत्म हो जातीं? वहीं यूट्यूब के प्रवक्ता ने भी इन आरोपों को पूरी तरह गलत करार दिया है। सबूतों में शामिल मेडिकल रिकॉर्ड में इंस्टाग्राम का कभी ज़िक्र नहीं था।

क्या है मामला- जज कैरोलिन कुहल के सामने चल रहा ट्रायल इस आरोप पर आधारित है कि 20 साल की एक महिला, जिसकी पहचान केली जी.एम. है, बचपन से ही सोशल मीडिया की लत की

एक साथ 2 डिविडेंड दे रही ये कंपनी, हर शेयर पर मिलेंगे 160 रुपये, इस तारीख से पहले खरीदना होगा स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। फार्मा सेक्टर की कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड अपने शेयरधारकों को 2 डिविडेंड देने जा रही है, और इसकी रिकॉर्ड डेट नजदीक आ चुकी है। दरअसल, कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर 160 का अंतरिम लाभांश घोषित किया है, जिसमें प्रति शेयर 50 का वन टाइम स्पेशल डिविडेंड भी शामिल है। कंपनी ने तीसरी तिमाही के नतीजों में डिविडेंड देने का एलान किया था।

क्या है डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट- प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड के शेयरों पर मिलने इस डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 12 फरवरी है, जबकि डिविडेंड की रकम का भुगतान 4 मार्च को या उससे पहले किया जाएगा। अगर कोई निवेशक रिकॉर्ड डेट से पहले यह शेयर खरीदता है तो वह डिविडेंड पाने का हकदार होगा। प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड के स्टॉक 10 फरवरी को 2 फीसदी की तेजी के साथ 5490 रुपये पर बंद हुए।

कंपनी ने डिविडेंड का एलान 6 फरवरी को तीसरी तिमाही के नतीजों को जारी करने के साथ ही किया था। Q3 में कंपनी का ऑपरेशनल परफॉर्मेंस मिला-जुला रहा। नेट प्रॉफिट में पिछले वर्ष की इसी अवधि के 91 करोड़ की तुलना में 14.7% की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 77.6 करोड़ रह गया। कंपनी के EBITDA में 10.5% की गिरावट आई और यह 123.6 करोड़ से घटकर 110.6 करोड़ हो गया, जबकि परिचालन मार्जिन में भारी गिरावट आई और यह एक वर्ष पहले के 39.9% से घटकर 29.6% रह गया। यह गिरावट उच्च बिक्री के बावजूद लागत दबाव को दर्शाती है।

Procter & Gamble Health Ltd के शेयरों ने रिटर्न के मामले में पिछले एक साल में शेयरधारकों को काफी निराश किया है।

चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को 20 साल की सजा, ट्रंप ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग के मीडिया दिग्गज, लोकतंत्र समर्थक और चीन के सबसे मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें शहर के सबसे बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में सजा सुनाई गई है। इससे बीजिंग द्वारा हांगकांग की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाए जाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता सामने आई है।

हांगकांग की अदालत के फैसले पर ब्रिटेन, ईयू, ऑस्ट्रेलिया और जापान समेत कई देशों ने चिंता जताई और उनकी रिहाई की मांग की है। 78 वर्षीय जिमी ब्रिटिश नागरिक हैं और उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। वह एपल डेली के संस्थापक हैं, जो 2021 में बंद हो चुका है। उन्हें अगस्त 2020 में गिरफ्तार किया गया था।हांगकांग की अदालत के तीन जजों ने सजा सुनाई और उनके अपराध को गंभीर प्रकृति का बताया। जजों ने कहा कि जिमी की सजा की गंभीरता से यह तथ्य जाहिर होता कि वह लगातार विदेशी साजिशों में लिप्त रहे।

जनगणना में गुणवत्ता और उच्च स्तर से प्राप्त नियमों और निर्देशों का विशेष ध्यान रखा जाए - कलेक्टर

देवास। जनगणना संबंधी जिला समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, जनगणना जिला प्रभारी देवास जनगणना कार्य निदेशालय सुश्री सोनिका गर्ग, जिला जनगणना समन्वय समिति के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जनगणना संबंधी नियम और निर्देशों तथा निर्धारित कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में जनगणना कार्य को लेकर व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जनगणना की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएंगी। इन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति की जा रही है। जिले में 17 से 20 फरवरी तक अलग-अलग स्थलों पर संबंधितों को जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण दिया जायेगा।

बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने कहा कि जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना है। जनगणना में गुणवत्ता और उच्च स्तर से प्राप्त नियमों और निर्देशों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि जनगणना का पहले चरण में घर-घर जाकर मकानों की सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इस दूसरे चरण में डिजिटल माध्यम से घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। जनसंख्या 2027 के लिए संदर्भ तारीख एक मार्च 2027 होगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने और सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सुश्री सोनिका गर्ग द्वारा पीपीटी के माध्यम से जनगणना संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें एप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस् मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि जनगणना दो चरणों में की जाएगी। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

प्रथम चरण में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। मकान सूचीकरण के कार्य के लिए स्वगणना का विकल्प 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रथम चरण के पूर्व 15 दिन तक उपलब्ध रहेगा। मकान सूचीकरण के कार्य में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा शासन द्वारा अधिसूचित सवाल पूछे जाएगें।

दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी, 2027 में होगा। जनसंख्या की गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। साथ ही व्यक्तियों के सम्बन्ध में अन्य विभिन्न बिन्दुओं जैसे- आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, धर्म, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, शैक्षणिक योग्यता, आर्थिक क्रियाकलाप, प्रवास, प्रजननता विवरण इत्यादि पर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

आगामी जनगणना वर्ष 1872 से सोलहवीं एवं स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी। जनगणना से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। जनगणना के दौरान संकलन व्यक्तिगत जानकारियाँ पूर्णतः गोपनीय होती हैं और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता है।

देवास में 'सेफर इंटरनेट डे-2026' पर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित

देवास। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 'सेफर इंटरनेट डे- 2026' के अवसर पर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था देवास में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डिजिटल युग में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देना तथा नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री मनीष कुमार खत्री ने इंटरनेट एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में प्रत्येक व्यक्ति को तकनीक का प्रयोग सतर्कता, जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों के साथ करना चाहिए। श्री खत्री ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता है। इस वर्ष 'सेफर इंटरनेट डे- 2026' की थीम 'स्मार्ट टेक, सेफ चॉइसेज ङ्क एक्सप्लोरिंग द सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल यूज ऑफ एआई' रही।

कार्यक्रम में जिला सूचना विज्ञान सहायक श्री मानिदार राणा द्वारा डिजिटल सुरक्षा प्रेज़ेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने के आवश्यक उपायों की जानकारी दी। एनआईसी इंजीनियर श्री राजेश यादव एवं श्री रूपेश मंडलोई ने कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य, प्रशिक्षण अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक डिजिटल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया।

अपने और अपनों के सपने करें साकारः यादव

शाजापुर। अब तक आप लोगों ने विद्यार्थी जीवन में जो सीखा उसे अमल में लाने का समय आ गया है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आपको तराशने का काम किया है ताकि आप लोग जीवन में आगे बढ़ें और अपने लिए सही दिशा का चयन कर सुनहरे भविष्य का निर्माण करें। अब आप पर निर्भर करता है कि आप लोग अपना जीवन किस दिशा में ले जाते हैं जहां आपके ही नहीं बल्कि आपके अपनो के सपने भी साकार हो सकें।

यह बात एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन में आयोजित कक्षा 12वी के बच्चों के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव ने कही। उन्होंने कहा कि आज का समय प्रतिस्पर्धा का समय है, जहां सिर्फ मेहनत नहीं बल्कि सच्ची लगन से मेहनत की जरूरत है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। संचालिका शशि यादव ने कहा कि आपके संस्कार आपकी ही नहीं बल्कि आपके विद्यालय की भी पहचान बनेंगे। इसीलिए आप लोगों को यहां हर स्थिति से लड़ना सिखाया गया है। आपके जीवन में नई-नई चुनौतियां भी आएंगी, जिनका सामना आपको डटकर करना है। यदि स्कूल प्रबंधन की आपको जहां भी सहायता लगे हम लोग आपके लिए हर समय तैयार हैं। कार्यक्रम को प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया, प्रशासनिक समिति अधिकारी पंकज यादव, उप प्राचार्य रामकृष्ण पाटीदार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आर्यन यादव, अपूर्व नागर, अर्पण पाटीदार, अजय विश्वकर्मा, नित्या अभिलाष, सुरेश मालवीय, संगीता व्यास, उमा यादव, हिमांशी कुशवाह सहित बड़ी संख्या मे विद्यार्थी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दी सीनियरों को विदाई - विदाई समारोह में विद्यार्थियों ने मंच के माध्यम से अपने सीनियरों के लिए आकर्षक प्रस्तुति दी ताकि उनकी विदाई को यादगार बना सके। जिसे सभी ने खूब सराहा। इसके बाद विद्यालय परिवार की ओर से विदा हो रहे विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई।

जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, शहरी विकास परियोजना अधिकारी श्री पराग जैन, जिला जनगणना समन्वय समिति के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री चंद्रा ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने और सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक करेगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

प्रथम चरण में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। मकान सूचीकरण के कार्य के लिए स्वगणना का विकल्प 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रथम चरण के पूर्व 15 दिन तक उपलब्ध रहेगा। मकान सूचीकरण के कार्य में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा शासन द्वारा अधिसूचित 33 सवाल पूछे जाएगें।

दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी, 2027 में होगा। जनसंख्या की गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। साथ ही व्यक्तियों के सम्बन्ध में अन्य विभिन्न बिन्दुओं जैसे- आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, धर्म, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, शैक्षणिक योग्यता, आर्थिक क्रियाकलाप, प्रवास, प्रजननता विवरण इत्यादि पर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें अप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस् मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम(ष्टस्रस्र) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा।

जनगणना से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। जनगणना के दौरान संकलन व्यक्तिगत जानकारियाँ पूर्णतः गोपनीय होती हैं और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता है। साथ ही एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। जनगणना 2027 के प्रगणक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी।

जनगणना के डिजिटल टूल्स

1. आंकड़ों का संग्रहण-

अ. मकान सूचीकरण ऐप (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन्स HLO App)

ब . जनगणना ऐप (पॉपूलेशन इनूमरेशन PE App)

2. स्व गणना पोर्टल

3. सेन्सस् मेनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल

4. हाउस लिस्टिंग ब्लाक क्रिएटर वेब मेप ऐप

जनगणना 2027 के लिए मास्टर ट्रेनरों द्वारा फिल्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिल्ड ट्रेनरों द्वारा प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को 03 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना 2027 में भाग लेने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को शासन द्वारा मानदेय भी दिया जाएगा।

जंगली जानवर ने हिरण का किया शिकार, छौना सुरक्षित

शाजापुर। जिले में जंगली जानवर की दहशत बनी हुई है और जंगल में मिल रहे हिरणों के शव ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रहे हैं। मंगलवार को भी एक हिरण का शव सारंगपुर-सलसलाई रोड पर पड़ा मिला। हालांकि शिकार करते हुए जंगली जानवर को एक महिला ने जरूर देखा लेकिन वह भी जानवर की पहचान नहीं कर पाई। जिससे यह तो तय है कि जंगली जानवरों की यहां हलचल है, लेकिन जानवर कौन सा है इसकी जांच वन विभाग की टीम कर रही है।

अकोदिया स्थित सलसलाई-सारंगपुर रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एक जंगली जानवर ने मादा हिरण का शिकार किया। तभी वहां से गुजर रही एक महिला की नजर उस पर पड़ गई। घबराहट में महिला केवल इतना ही देख पाई कि उस जानवर के शरीर पर काली और पीले रंग की धारियां बनी हुई थी। जिसके बाद उसने घबराकर शोर मचा दिया जिससे जानवर अपने शिकार को वहीं छोड़कर भाग निकला। मौके पर मौजूद अन्य महिलाओं ने महिला कभी उस जंगली जानवर को तेंदुआ बता रही थी तो कभी छोटे कद का जानवर कह रही थी। इस घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। सूचना मिलने पर पहुंची वन विभाग की टीम ने वहां शव को देखा। मौके पर पहुंचे वन विभाग के रेस्क्यू एक्सपर्ट हरीश पटेल ने बताया कि जहां जानवर ने शिकार किया वहां जानवर के पगमार्क नहीं मिले हैं। जिससे यह कह पाना फिलहाल मुश्किल है कि शिकार करने वाला जानवर कौन सा था। हिरण के मुंह पर और गर्दन पर खरोंच के निशान मिले हैं।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज परिवहन के चार प्रकरणों में 99 हजार रूपये से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के चार प्रकरणों में कुल 99 हजार 955 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक घनश्याम पिता बद्रीलाल निवासी खानखेडी द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक इन्द्रजीत पिता कैलाश पाटीदार निवासी भरभडिया द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक कारूलाल पिता रामलाल बाछडा निवासी लसुडी आंत्री द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। इसी तरह अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक सुरजमल पिता जीतमल निवासी चेनपुरा द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 2790 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 10 हजार 915 रूपये इस प्रकार कुल 13 हजार 705 रूपए, इस प्रकार चार प्रकरणों में कुल 99 हजार 955 रूपये की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध परिवहन पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किए गए थे।

फरवरी में ही 31 पार हुआ तापमान, छूटने लगे पसीने, सुबह-शाम अभी भी हो रहा गुलाबी सर्दी का एहसास

शाजापुर। जनवरी माह बीतते ही सर्दी का मौसम भी अंतिम दौर में पहुंच गया है। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अभी फरवरी माह का दूसरा सप्ताह ही शुरू हुआ है और तापमान ने ऊंची छलांग लगा दी है। मंगलवार को नगर का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो अगले सप्ताह तापमान 35 या 40 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। हालांकि सुबह-सवेरे और सूरज ढलने के बाद जरूर सर्दी का एहसास हो रहा है। लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही लोगों के पसीने छूटने लगे हैं।

आवेदक गणपत को आटा चक्की के लिए तत्काल विद्युत कनेक्शन प्रदान करें-श्री चंद्रा

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 88 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में ग्राम जावी के गणपत पिता कन्हैयालाल ने आटा चक्की स्थापित किए तीन माह हो जाने पर भी विद्युत कनेक्शन नहीं मिलने और नवीन विद्युत कनेक्शन करवाने के अनुरोध पर कलेक्टर ने म.प्र.प.क्षेत्र विद्युत कंपनी के अधीक्षण यंत्री को आवेदक को नियमानुसार तत्काल विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खेरमालिया के उंकारलाल मेघवाल ने अपनी खसरा नम्बर 1301 की जमीन पर दारू के एक व्यक्ति द्वारा जबरन किया गया कब्जा हटाकर, कब्जा दिलाने के अनुरोध पर एसडीएम नीमच व तहसीलदार को मंगलवार को ही मौके पर राजस्व टीम भेजकर उंकारलाल को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। रावतखेड़ा के शंभुसिह, गुजरखेड़ी के नानालाल, ग्वालटोली की गीताबाई, मुंदडा के नन्दलाल, बघाना के सुभाष, नीमच के रूपेन्द्र, मांगीलाल, टी.आई.टी.कालोनी नीमच की अनिता, उचेड़ की जमुना टेलर, सुवाखेड़ा के राजेश नायक, धामनिया के दिलीप, हरवार की कोशल्या, मनासा के लखनसिह, चौथखेडा की कमलाबाई, राजपुरिया के राधेश्याम, सोनियाना की गीताबाई ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह डिकेन की घीसीबाई, कुचड़ौद की कौशल्याबाई, नीमच सिटी की गीताबाई, ग्वालटोली की ललिता, बघाना की रेखाबाई, कुकडेश्वर मोतीलाल, इंदिरा नगर नीमच की पुष्पा, कंवरजी का खेड़ा देवीलाल, निपानिया आबाद के बाबूलाल, बल्दरखा देवरिया के शंकरलाल, दारू के जमनालाल, झिरन्या के कुतुबुद्धिन,मागरोल के हरिसिह, नीमच की आफियाबाई, लाछ के नारायण, सिंधी कालोनी नीमच के चंद्रप्रकाश ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

कृत्रिम गर्भाधान योजना में कार्य नहीं करने पर पशु पालन विभाग के एडीओ बाल कृष्ण यादव को निलम्बित

देवास। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री आनंद मालवीय सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। कलेक्टर श्री सिंह ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम गर्भाधान योजना की विकासखण्डवार समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा में खातेगांवमेंबहुतकम प्रगतिपाई गई। जिसपर कलेक्टर श्री सिंह ने पशुपालन विभाग के एडीओबाल कृष्णयादव को निलम्बित करने के निर्देश दिये एवं सीईओ जनपद खातेगांवअभिषेक कटारिया को दो दिन का वेतन काटने के निर्देशदिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सहाकारिता विभाग अंतर्गत किसानों को वितरित किये जा रहे माईक्रो एटीएम की जानकारी लेकर निर्देश दिये कि किसानों को माईक्रो एटीएम के संबंध में जागरूक किया जाये और उन्हें माईक्रो एटीएम में लाभ बताये। कृषि एवं अकृषि ऋण स्वीकृति एवं वसूली की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान बताया किया पेक्स में ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से खाद का वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जिले में एग्रीस्टैक का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। भविष्य में किसानों को खाद वितरण और केसीसी बनाने जैसे कार्य इसके आधार पर ही होंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि जिले में जहां पर भी जल स्त्रोतों पर अतिक्रमण है वहां जल स्त्रोतों को अधिग्रहित करने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने उप संचालक कृषि को निर्देश दिये किसानों को सरसों की फसल के लिए प्रेरित करें। किसानों को पारंपरिक खेती से केला और अन्य आधुनिक खेती की ओर प्रेरित करें। खेती की मिट्टी परीक्षण कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाये। किसानों को खेती में सिंचाई के लिए ड्रीप स्प्रिंकलर और मिनीस्प्रिंकलर का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करें और पंजीकृत किसानों को प्रमाण-पत्र दें एवं पंजीकृत किसानों के उत्पादों के विक्रय के लिए योजना बनाने के लिए कार्य करें, ताकि किसानों के उत्पाद आसानी से विक्रय हो सकें।

संकल्प से समाधान अभियान

नीमच। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में संकल्प से समाधान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत 13 फरवरी से 6 मार्च तक जिले में 9 स्थानों पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, जनजाति कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों में दिव्यांगजनों की शीघ्र पहचान कर, उनके तत्काल दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। शा.चिकित्सालय जावद में 13 फरवरी को जनपद क्षेत्र जावद, नगर परिषद जावद, सरवानिया महाराज, अठाना एवं नयागाव के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किया जा रहा है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)